▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 302 ▸▸ मुंबई, गुरुवार, 8 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अकोट में एआईएमआईएम के साथ गलबहियां

अकोला की अकोट नगर परिषद में कहानी और भी दिलचस्प है। यहां भाजपा ने 'अकोट विकास मंच' बनाया, जिसमें एआईएमआईएम के अलावा उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राकांपा जैसे धुर विरोधी दल भी शामिल हो गए। 35 सदस्यीय परिषद में भाजपा की माया धुले को महापौर चुना गया। हालांकि, भाजपा नेताओं का दावा है कि एआईएमआईएम के पार्षदों ने अपनी पार्टी की विचारधारा छोड़कर भाजपा का साथ दिया है, इसे औपचारिक गठबंधन न माना जाए।

सत्ता के लिए दोमुंहा केंचुआ बनी भाजपा: विपक्ष

इस गठबंधन पर शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत और सचिन अहीर ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। राउत ने भाजपा को 'दोमुंहा केंचुआ' बताते हुए कहा कि यह पार्टी सत्ता के लिए किसी का भी समर्थन ले सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मीरा-भयंदर में भी एआईएमआईएम का परोक्ष समर्थन लिया है। विपक्ष का कहना है कि यह भाजपा के 'कांग्रेस-मुक्त भारत' के नारे और उनकी विचारधारा के दोहरे मापदंड को उजागर करता है।

अंबरनाथ में शिवसेना को रोकने के लिए 'अनोखा' मेल

अंबरनाथ नगर परिषद में कुल 60 वार्ड हैं। बहुमत के लिए 31 उम्मीदवार चाहिए थे। चुनाव के बाद बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। चुनाव परिणाम आने के बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन इसके बावजूद वह सत्ता से बाहर रह गई। दरअसल, भाजपा ने चुनाव के बाद कांग्रेस और अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी' नाम से गठबंधन बना लिया। इस गठबंधन के जरिए नगर परिषद में बहुमत जुटाया गया और परिषद का नेतृत्व अपने हाथ में ले लिया गया। इसके चलते भाजपा की सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट) को सत्ता से बाहर कर दिया गया। इस गठबंधन के समर्थन से भाजपा नेता तेजश्री करंजुले को अंबरनाथ नगर परिषद की अध्यक्ष (मेयर) चुना गया। यह गठजोड़ इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का विरोध करती रही है, लेकिन अंबरनाथ में सत्ता के लिए कांग्रेस के साथ हाथ मिला लिया। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने इसे 'अनैतिक और मौकापरस्त' राजनीति करार दिया है।

महाराष्ट्र में 'सत्ता की सर्कस'

- भाजपा का कांग्रेस और एआईएमआईएम से 'गठबंधन' टूटा
- 5 पार्षदों ने वापस लिया समर्थन, विधायक को नोटिस जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों के नतीजों के बाद एक अजीबोगरीब राजनीतिक स्थिति पैदा हो गई। राज्य में एक-दूसरे के धुर विरोधी दल भाजपा, कांग्रेस और एआईएमआईएम (AIMIM) सत्ता के लिए एक साथ आ गए। इस घटनाक्रम ने न केवल महायुति गठबंधन में दरार डाल दी, बल्कि राज्य की राजनीति में नैतिकता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त रुख अपनाते हुए इन अप्राकृतिक गठबंधनों को तुरंत खत्म करने का निर्देश दिया है। वहीं, कांग्रेस ने गठबंधन के दम पर जीते अपने 12 पार्षदों को निलंबित कर दिया।

विधायक को बीजेपी ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

अकोट में AIMIM के साथ गठबंधन के बाद बीजेपी ने कार्रवाई कर दी है। महाराष्ट्र के पार्टी के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पार्टी के विधायक प्रकाश भारसाखले को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि पार्टी की छवि खराब हुई है। माना जा रहा है कि पार्टी विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकती है।

मुख्यमंत्री फडणवीस की सख्त चेतावनी

इस पूरे घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'कांग्रेस या एआईएमआईएम के साथ किसी भी तरह का गठबंधन स्वीकार्य नहीं है। स्थानीय नेताओं के ये फैसले पार्टी अनुशासन के खिलाफ हैं और इन्हें तुरंत तोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।' फडणवीस ने यह भी साफ किया कि जिन्होंने पार्टी लाइन से हटकर काम किया है, उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस ने अपने 12 पार्षदों को किया बाहर

भाजपा के साथ हाथ मिलाने की कीमत अंबरनाथ के कांग्रेस पार्षदों को चुकानी पड़ी है। कांग्रेस आलाकमान ने भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले अपने सभी 12 नवनिर्वाचित पार्षदों और ब्लॉक अध्यक्ष को तुरंत प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया है। प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि यह फैसला उनकी जानकारी के बिना लिया गया था, इसलिए ब्लॉक इकाई को भी भंग कर दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी के बीच कोई औपचारिक गठबंधन नहीं है और यह मोर्चा बिना अनुमति के बनाया गया था।

बीएमसी चुनाव

जीत के लिए बीजेपी ने झोंकी पूरी ताकत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी राजनीतिक शक्ति झोंक दी है। बीएमसी की सत्ता पर काबिज होने के लिए बीजेपी ने इसे एक स्थानीय निकाय चुनाव से ऊपर उठाकर एक राष्ट्रीय चुनावी अभियान का रूप दे दिया है। इस महामुकाबले में जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने देश के 16 राज्यों से अपने दिग्गज नेताओं को मुंबई की गलियों में चुनाव प्रचार के लिए उतारा है। मुंबई बीजेपी की स्थानीय टीम को मजबूती देने के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, दिल्ली और दक्षिण भारत के राज्यों से भारी संख्या में नेता मुंबई पहुंच चुके हैं। उत्तर प्रदेश से 12 और बिहार से 10 प्रमुख नेता पहले ही कमान संभाल चुके हैं। यह पहली बार है जब किसी नगर निगम चुनाव के लिए इतने व्यापक स्तर पर बाहरी राज्यों के नेताओं का समन्वय किया जा रहा है, जिससे यह चुनाव 'मिनी इंडिया' के शक्ति प्रदर्शन में बदल गया है।

उत्तर भारतीय और भाषाई समीकरणों पर ध्यान

मुंबई के कुल 227 वार्डों में से करीब 150 वार्ड ऐसे हैं, जहां उत्तर भारतीय मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उत्तर मुंबई, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-मध्य क्षेत्रों में इनकी आबादी सबसे अधिक है। इसी तरह, गुजराती मतदाताओं का प्रभाव घाटकोपर और मुलुंड में है, जबकि दक्षिण भारतीय मतदाता सायन और धारावी में निर्णायक हैं। बीजेपी ने इन सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए संबंधित राज्यों के नेताओं को उन्हीं क्षेत्रों में तैनात किया है ताकि मतदाताओं से उनके अपनी भाषा और संस्कृति में संवाद किया जा सके।

देशभर के 16 राज्यों से नेताओं का मुंबई में जमावड़ा

महायुति की रणनीति और क्षेत्रीय संपर्क

बीजेपी का मानना है कि बाहरी राज्यों के नेताओं के आने से स्थानीय कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा है। पार्टी ने गुजरात, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के नेताओं को भी उन क्षेत्रों में भेजा है जहां उन राज्यों के लोग व्यवसाय या नौकरी के सिलसिले में रहते हैं। यह बहुआयामी रणनीति विपक्षी दलों, विशेषकर शिवसेना (UBT) के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए बनाई गई है। 15 जनवरी 2026 को होने वाला यह मतदान तय करेगा कि मुंबई की कमान किसके हाथ में होगी।

उत्तर भारतीयों के बीच पहुंचे यूपी के दिग्गज

बीजेपी के स्टार प्रचारक और सांसद मनोज तिवारी ने मुंबई में प्रचार करते हुए विरोधियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत के लोग मुंबई की संस्कृति में पूरी तरह रच-बस चुके हैं। तिवारी ने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि वह 1999 से मुंबई में हैं और वह भी यहां के 'मानुष' हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल सत्ता के लिए प्रांतवाद का जहर घोल रहे हैं, जो देश की एकता के लिए घातक है। मनोज तिवारी का नया चुनाव गीत रमिलके चलाएंगे विकास की गगरिया, भाजपा के संग चले मुंबई नगरियार सोशल मीडिया और चुनावी सभाओं में काफी लोकप्रिय हो रहा है। तिवारी ने स्पष्ट किया कि विपक्ष 'SIR' (Special Investment Region) और वोटिंग अधिकारों को लेकर भ्रम फैला रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि बीजेपी समावेशी विकास में विश्वास रखती है। उन्होंने मुंबई को अंतरराष्ट्रीय स्तर का शहर बनाने के लिए बीजेपी को वोट देने की अपील की।

महाराष्ट्र कांग्रेस उपाध्यक्ष की हत्या

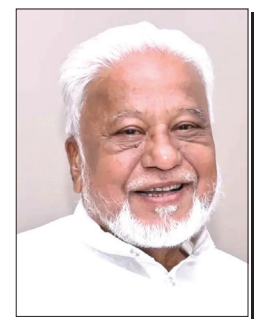

मस्जिद में नमाज के बाद चाकू से किया गया हमला

अकोला। अकोला जिले की एक मस्जिद में मंगलवार को महाराष्ट्र इकाई के उपाध्यक्ष हिदायतुल्लाह पटेल पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया। इलाज के दौरान उन्होंने बुधवार को दम तोड़ दिया। यह घटना अकोट तालुका के मोहाला गांव की जामा मस्जिद में मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे को हुई। 66 वर्षीय हिदायतुल्लाह पटेल गांव की जामा मस्जिद में दोपहर यानी जोहर की नमाज अदा करने गए थे। जैसे ही वह नमाज खत्म कर मस्जिद से बाहर निकल रहे थे, पहले से घात लगाए बैठे हमलावर ने उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि पटेल की गर्दन और सीने पर गहरे जख्म आए, जिससे काफी अधिक खून बह गया। घटना से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिसमें पटेल खून से सराबोर कपड़ों में दिख रहे हैं।

इलाज के दौरान हुई मौत

पुलिस के मुताबिक, मस्जिद में मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल पटेल को अकोट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से सबूत जुटाए। बुधवार सुबह इलाज के दौरान पटेल की मृत्यु हो गई।

पकड़ा गया आरोपी

अपर पुलिस अधीक्षक बी चंद्रकांत रेड्डी ने बताया कि आरोपी उबेद खान कालू खान उर्फ रजिक खान पटेल (22) को पकड़ने के लिए पुलिस की छह टीम गठित की गईं। उसे मंगलवार रात करीब 8.0 बजे अकोट तालुका के पनाज गांव से गिरफ्तार किया गया। घटना के बाद मोहाला और अकोट शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जिला पुलिस अधीक्षक अर्चित चंडक स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि अकोट ग्रामीण पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

गृह मंत्री के अभाव में बढ़ रहा अपराध : सपकाल

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बुधवार को राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पूर्णकालिक गृह मंत्री न होने के कारण अपराधों में वृद्धि हुई है। सपकाल ने अकोला में पार्टी के वरिष्ठ नेता हिदायतुल्ला पटेल की हत्या के लिए कानून-व्यवस्था की विफलता को जिम्मेदार ठहराया और दोषियों को कठोरतम दंड देने की मांग की।

ब्रीफ न्यूज़

पूर्व एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज जलील पर हमले का प्रयास

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में बुधवार को चुनाव प्रचार के दौरान भीड़ ने पूर्व एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज जलील की गाड़ी पर हमला करने का प्रयास किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि जलील सुरक्षित अपनी कार में बैठ गए, लेकिन भीड़ उनकी गाड़ी पर प्रहार करती रही। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बल का प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है। भीड़ में करीब 30-35 लोग शामिल थे। जलील ने राज्य के मंत्रियों अतुल सावे और संजय शिरसाट पर भीड़ को उकसाने का आरोप लगाया, जिसे अतुल सावे ने बेबुनियाद बताया।

'धुरंधर' सर्वाधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी

मुंबई। फिल्म निर्माता आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। फिल्म निर्माताओं ने बुधवार को बताया कि इस फिल्म ने अब तक देशभर में कुल 831 करोड़ रुपये से अधिक का व्यवसाय किया। निर्माताओं ने बताया कि रणवीर सिंह अभिनीत इस फिल्म ने रिलीज के 33वें दिन मंगलवार को 5.70 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसके बाद इसकी देशभर में कुल कमाई बढ़कर 831.40 करोड़ रुपये हो गई। इसके साथ ही यह अब तक की सभी हिंदी फिल्मों में पहले स्थान पर पहुंच गई।

विपक्ष को जोर का झटका

अब मुख्य सचेतक भी नियुक्त नहीं कर पायेंगे विपक्षी दल

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने एक नया संयुक्त सरकारी प्रस्ताव (GR) जारी कर राज्य विधानमंडल में 'मुख्य सचेतक' (Chief Whip) और 'सचेतक' की नियुक्ति के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के मुताबिक, अब केवल वही राजनीतिक दल सदन में मुख्य सचेतक नियुक्त कर पाएंगे जिनके पास कुल सदस्य संख्या का कम से कम 10 प्रतिशत बल होगा। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में यह न्यूनतम संख्या 29 विधायक तय की गई है। इस आदेश के बाद अब विपक्षी दलों को मिलने वाली आधिकारिक सुविधाएं और प्रोटोकॉल का दर्जा खतरे में पड़ गया है क्योंकि कोई भी विपक्षी दल वर्तमान में इस आंकड़े तक नहीं पहुँच पा रहा है।

विपक्ष के पास पर्याप्त संख्या बल का अभाव

वर्तमान विधानसभा के आंकड़ों पर नजर डालें तो सत्ताधारी गठबंधन (महायुति) बेहद मजबूत स्थिति में है, जहाँ भाजपा (132), शिवसेना (57) और राकांपा (41) तीनों ही दल 29 विधायकों की शर्त को आसानी से पूरा करते हैं। दूसरी ओर, विपक्षी खेमे में बिखराव के कारण स्थिति नाजुक है; शिवसेना (UBT) के पास मात्र 20, कांग्रेस के पास 16 और राकांपा (शरद पवार गुट) के पास केवल 10 विधायक हैं। चूंकि किसी भी विपक्षी पार्टी के पास अकेले 29 विधायक नहीं हैं, इसलिए वे तकनीकी रूप से आधिकारिक मुख्य सचेतक नियुक्त करने की अर्हता खो चुके हैं। गौरतलब है कि सदन में पिछले तीन सत्रों से 'नेता प्रतिपक्ष' का पद भी रिक्त है। सरकार के इस फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने सरकार की तीखी आलोचना करते हुए इसे भाजपा की दमनकारी नीति बताया है।

28 जनवरी से शुरू हो सकता है बजट सत्र

वित्त मंत्री 1 फरवरी को पेश करेंगी आम बजट

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार एक फरवरी को आम बजट पेश कर सकती है। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति की बुधवार को बैठक हुई। बैठक में संसद के आगामी बजट सत्र की तारीखों का प्रस्ताव रखा गया।राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने संसद के बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी से करने और 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों के अनुसार, इन तारीखों पर अभी अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है और जल्द ही इसकी औपचारिक घोषणा हो सकती है।

दो तारीखों पर चर्चा

बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया जाता है। पहले और दूसरे हिस्से के बीच अवकाश रखा जाता है, ताकि संसदीय स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों की अनुदान मांगों की जांच कर सकें। सूत्रों ने बताया कि बैठक में बजट सत्र की शुरुआत के लिए 28 जनवरी और 31 जनवरी, दो संभावित तारीखों पर चर्चा हुई, जिनमें से किसी एक पर अंतिम निर्णय जल्द लिया जाएगा। आम तौर पर संसद का बजट सत्र जनवरी के आखिरी सप्ताह में ही शुरू होता है।

पुणे पोर्श कार दुर्घटना

आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- महाराष्ट्र सरकार को जारी किया नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार से पुणे पोर्श कार दुर्घटना मामले में दो आरोपियों द्वारा दायर जमानत याचिकाओं पर जवाब मांगा, जिसमें मई 2024 में दो लोगों की जान चली गई थी। आदित्य अविनाश सूद (52) और आशीष सतीश मित्तल (37) को पिछले साल 19 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था, क्योंकि दुर्घटना में शामिल दो नाबालिगों की जगह उनके खून के सैंपल जांच के लिए इस्तेमाल किए गए थे।

आदित्य सूद ने अल्कोहल परीक्षण में धोखा देने की कोशिश की

आदित्य सूद उन 10 लोगों में शामिल थे, जिन्हें किशोर चालक के अल्कोहल परीक्षण को रद्द करने के लिए रक्त के नमूनों की अदला-बदली के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, आदित्य सूद के रक्त के नमूने उसके पिता के रक्त के नमूनों से बदल दिए गए थे। इस मामले में पुणे के ससून जनरल अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों की भी गिरफ्तारी हुई है।

कोर्ट ने कर दिया था रिहा

जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने नाबालिग आरोपी को आसान शर्तों पर जमानत दे दी थी, जिससे पूरे देश में अक्रोश देखने को मिला था। जमानत की शर्तों में रोड सेफ्टी पर 300 शब्दों का निबंध लिखना शामिल था। फैसले की आलोचना होने के बाद पुणे पुलिस ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए संपर्क किया। इसके बाद बोर्ड ने आदेश में बदलाव किया और नाबालिग को ऑब्जर्वेशन होम भेज दिया।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामला

भाजपा नेता नवनीत राणा को राहत

- अदालत ने किया आरोपमुक्त, याचिका हुई स्वीकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की मजगांव अदालत (न्यायिक मजिस्ट्रेट ए ए कुलकर्णी) ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए भाजपा नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा को फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में आरोपमुक्त कर दिया है। राणा ने अदालत में आरोपमुक्त करने के लिए याचिका दायर की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया। हालांकि, इस मामले में अभी विस्तृत अदालती आदेश आना बाकी है। इस फैसले से नवनीत राणा को एक बड़ी कानूनी और राजनीतिक राहत मिली है, जो लंबे समय से इस विवाद का सामना कर रही थीं।

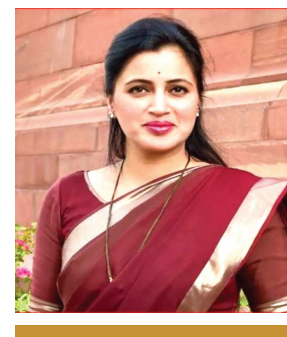

पिता पर जारी रहेगा मुकदमा

भले ही अदालत ने नवनीत राणा को राहत दे दी है, लेकिन उनके पिता हरभजनसिंह कुंडलेस की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि उनके खिलाफ इस मामले में मुकदमा जारी रहेगा। अदालत ने पिता के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया के लिए मामले को 16 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने नवनीत राणा का जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कथित तौर पर दस्तावेजों में हेराफेरी की थी।

क्या है मामला?

यह विवाद तब शुरू हुआ था जब मुंबई के मुलुंड थाने में शिकायत दर्ज की गई थी कि अमरावती जैसी आरक्षित लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया गया। 2021 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उनके जाति प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया था, लेकिन अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले को पलटते हुए प्रमाण पत्र बहाल कर दिया। इसी आधार पर वह 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ पाईं, हालांकि वे भाजपा के टिकट पर अमरावती सीट से चुनाव हार गईं। अब निचली अदालत का यह ताजा फैसला उनके राजनीतिक भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उल्हासनगर में गुंडाराज नहीं चलेगा: मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर।

उल्हासनगर के सेंचुरी ग्राउंड में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शहर की कानून-व्यवस्था को लेकर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना विरोधियों पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि अब उल्हासनगर में ₹गुंडा राज₹ का अंत होगा और केवल ₹कानून का राज₹ चलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार अपराधियों और गुंडागर्दी से निपटना अच्छी तरह जानती है। सभा में मौजूद हजारों नागरिकों ने ₹भाई देवा₹ के नारों और तालियों के साथ उनके इस बयान का जोरदार स्वागत किया, जिसे चुनाव से पहले विपक्ष के लिए एक बड़ी चेतावनी माना जा रहा है।

विकास कार्यों के लिए करोड़ों का बजट और विजन

मुख्यमंत्री ने शहर के रुके हुए विकास को गति देने के लिए विस्तृत योजना साझा की। उन्होंने घोषणा की कि उल्हासनगर को एक आदर्श शहर बनाने के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। विकास कार्यों का ब्यौरा देते हुए उन्होंने बताया कि पार्कों के लिए 88 करोड़, आधुनिक खेल परिसर के लिए 24 करोड़, टीएमटी बस सेवा के लिए 18 करोड़, और मनपा मुख्यालय के निर्माण सहित अन्य सार्वजनिक भवनों के लिए भारी भरकम धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। फडणवीस ने विश्वास जताया कि इन निवेशों से शहर का बुनियादी ढांचा सुधरेगा और नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सेवाएं मिलेंगी।

आगामी चुनाव और सामाजिक कल्याण का संकल्प

आगामी 15 जनवरी को होने वाले मनपा चुनावों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनाव शहर का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने सरकार की 'लाडकी बहिन' जैसी योजनाओं का संदर्भ देते हुए कहा कि ₹देवा भाऊ₹ का प्रयास 50 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का है। उन्होंने मतदाताओं से विकास के पक्ष में जनादेश देने की अपील की ताकि शासन में अनुशासन और प्रशासन में पारदर्शिता लाई जा सके। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, विधायक कुमार ऐलानी और सुलभा गायकवाड़ सहित महायुति के कई वरिष्ठ नेता और उम्मीदवार उपस्थित रहे, जिन्होंने चुनाव में जीत का विश्वास जताया।

भिवंडी के विकास के लिए 'महायुति का महापौर' जरूरी: सीएम फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भिवंडी के शिवाजी महाराज चौक पर जनसभा को संबोधित करते हुए एक नया इतिहास रचने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि भिवंडी का समग्र कायाकल्प करना है, तो यहाँ महायुति (भाजपा-शिवसेना-राकांपा) का महापौर बैठना अनिवार्य है। उन्होंने पूर्ववर्ती सत्ताओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने भिवंडी को केवल अपना ₹एटीएम₹ समझा और विकास की उपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि यदि जनता महायुति को सत्ता सौंपती है, तो शहर के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

मेट्रो, लॉजिस्टिक हब और बुनियादी ढांचे पर जोर

भिवंडी की परिवहन व्यवस्था और व्यापार को नई दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री ने कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि ठाणे–भिवंडी–कल्याण मेट्रो परियोजना का पहला चरण 2027 तक शुरू करने का लक्ष्य है। इसके अलावा, भिवंडी को देश के एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा होंगे। बुनियादी सुविधाओं पर जोर देते हुए उन्होंने वर्ष 2052 तक की जलापूर्ति सुनिश्चित करने, 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने और 15,000 नए घरों के निर्माण की मंजूरी देने का वादा भी किया।

सामाजिक सुरक्षा और 'लखपति दीदी' का संकल्प

महिला कल्याण और सामाजिक सुरक्षा पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने 'लाडकी बहिन योजना' को लेकर विरोधियों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक वे मुख्यमंत्री हैं, यह योजना बंद नहीं होगी, बल्कि अब उनका लक्ष्य बहनों को ₹लखपति दीदी₹ बनाना है। इसके साथ ही उन्होंने झोपड़पट्टियों में रहने वालों को सम्मानजनक जीवन देने और 32 करोड़ की लागत से अग्निशमन व्यवस्था को आधुनिक बनाने का आश्वासन दिया। उन्होंने अंत में दोहराया कि आने वाले पाँच वर्षों में भिवंडी का चेहरा पूरी तरह बदल दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

पनवेल में पंकजा मुंडे ने संभाली कमान

पनवेल। राज्य की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने कलंबोली के नागरिकों से सवाल किया कि जब देश और राज्य में महायुति की सत्ता है, तो क्या पनवेल नगर निगम की सत्ता दूसरों को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय सत्ता किसी और के हाथों में गई, तो गरीबों, मध्यम वर्ग, शहरों और गांवों के समग्र विकास की सोच पीछे छूट जाएगी। बुधवार शाम को कलंबोली उपनगर में रोडपाली स्थित बस डिपो में आयोजित जनसभा में मंत्री मुंडे ने भाजपा के महायुति उम्मीदवारों को समर्थन देने की अपील की। इस अवसर पर विधायक प्रशांत ठाकुर, विक्रांत पाटिल सहित वार्ड क्रमांक 7, 8, 9 और 10 के सभी महायुति उम्मीदवार उपस्थित रहे। मंत्री मुंडे ने प्रवासी श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे रोजगार की तलाश में यहां आए और यहीं बस गए, और भावनात्मक रूप से कहा, "मैं उस भूमि से आई हूं, जिससे आपका नाभिनाल जुड़ा है।" मंत्री मुंडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए पनवेल के विकास कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने अटल सेतु मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी, अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन और तलोजा क्षेत्र में औद्योगिक प्रदूषण पर सख्त निगरानी का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने 15 जनवरी को पहले मतदान करने और उसके बाद ही अन्य कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हर मतदाता की भागीदारी जरूरी है।

मेरे ऊपर जो आरोप लगाए जा रहे हैं सभी राजनीति से प्रेरित: नार्वेकर

मुंबई। विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा नेता राहुल नार्वेकर के वायरल वीडियो को लेकर राजनीति लगातार गरमाई हुई है। इस वीडियो को लेकर शिवसेना (उद्धव) सांसद अरविंद सावंत ने नार्वेकर पर गंभीर आरोप लगाए थे। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल नार्वेकर ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अरविंद सावंत के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। नार्वेकर ने कहा जो निर्दलीय उम्मीदवार तेजल पवार ने आरोप लगाए हैं उसे न तो मैंने कभी देखा है और न ही कभी मुलाकात की है। शिवसेना (उद्धव) पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राहुल नार्वेकर को निलंबित करने की मांग कर चुके हैं। नार्वेकर ने कहा विधानसभा चुनाव में मुझे 50 हजार से ज्यादा मतों की बढ़त मिली थी।

मतदान करने वाले नागरिकों को विभिन्न सेवाओं पर विशेष छूट

ओपी यादव । विरार

वसई-विरार शहर नगर निगम के सामान्य चुनाव 2026 के अंतर्गत 15 जनवरी 2026 को मतदान होना है। नगर निगम आयुक्त एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज कुमार सूर्यवंशी (IAS) के मार्गदर्शन में मतदान प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए जन जागरूकता अभियान के साथ-साथ कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र के इस उत्सव में अधिक से अधिक लोगों को मतदान केंद्र तक लाना और मतदान के महत्व को समझाना है।

लोकतंत्र के उत्सव में भागीदारी का आह्वान

यह विशेष छूट केवल मतदान के दिन यानी 15 जनवरी 2026 को ही मान्य होगी और इसका लाभ केवल वही नागरिक उठा सकेंगे जिनकी उंगली पर मतदान की स्याही का निशान होगा। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त श्री संजय हेरवाडे, श्री दीपक सावंत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त श्री मनोज कुमार सूर्यवंशी ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे भारी संख्या में बाहर निकलकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकशाही को मजबूत बनाने के साथ-साथ इन सुविधाओं का भी लाभ उठाएं।

होटल, रिक्शा और बस किराए में भारी छूट

आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में होटल एसोसिएशन, रिक्शा यूनियन और नगर निगम परिवहन सेवा के पदाधिकारियों ने मतदान करने वाले नागरिकों को विशेष राहत देने का निर्णय लिया है। इसके तहत 15 जनवरी 2026 को मतदान करने वाले मतदाताओं को होटल के बिल पर 15% की छूट मिलेगी। वहीं, रिक्शा एसोसिएशन ने किराए में 50% की भारी छूट देने का ऐलान किया है। इसके अतिरिक्त, नगर निगम की परिवहन बसों और हेयर ड्रेसर (केशकर्तनालय) एसोसिएशन द्वारा भी दरों में विशेष रियायत दी जाएगी।

दुष्कर्म आरोपी को 20 साल कारावास की सजा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे की एक अदालत ने 13 साल तक चली लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, 2012 के एक सामाजिक कार्यकर्ता पर हुए जानलेवा हमले के मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के छह कार्यकर्ताओं को बरी कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए।

साक्ष्यों और गवाहों पर अदालत की टिप्पणी

ठाणे जिला एवं सत्र न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने सुनवाई के दौरान पाया कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने के लिए पर्याप्त और निष्पक्ष साक्ष्य पेश करने में विफल रहा। अदालत ने टिप्पणी की कि कथित चश्मदीदों के लिए उस स्थिति में हमले को देखना लगभग असंभव था। इसके अलावा, अधिकांश गवाह या तो शिकायतकर्ता के मित्र थे या राजनीतिक रूप से उससे जुड़े हुए थे, जिससे उनकी निष्पक्षता संदिग्ध हो गई।

हथियारों की बरामदगी और कानूनी खामियां

बचाव पक्ष के अधिवक्ता राजन सालुंके ने दलील दी कि पुलिस द्वारा हथियारों की बरामदगी की प्रक्रिया में कई तकनीकी खामियां थीं। अदालत ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए माना कि अभियोजन की दलीलें कानूनी रूप से कमजोर हैं। साक्ष्यों के अभाव और गवाहों की अविश्वसनीयता को देखते हुए, अदालत ने सभी छह आरोपियों को तत्काल प्रभाव से आरोपमुक्त करते हुए बाइज्जत बरी कर दिया।

चुनावी रंजिश और हमले का आरोप

अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला 2012 के नगर महापालिका चुनावों के दौरान हुई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से जुड़ा था। पीड़ित की पत्नी एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही थीं, जबकि आरोपी राकांपा से जुड़े थे। शिकायतकर्ता रोनाल्ड एंथोनी इसाक ने आरोप लगाया था कि 17 जून 2012 को आनंद साल्वे, गणपत साल्वे, गौतम मोरे, संतोष बंसोडे, अमोल कांबले और संतोष वेटकर ने उन पर तलवारों से हमला किया था, जिसमें उन्हें 28 टांके आए थे।

उबाठा के सैकड़ों कार्यकर्ता भाजपा में हुए शामिल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका चुनाव के प्रचार के चरम पर पहुँचते ही राजनीतिक समीकरण तेज़ी से बदलने लगे हैं। शिवसेना का गढ़ माने जाने वाले टेंभी नाका और मुख्य बाजार क्षेत्र (वार्ड नंबर 22) से उद्धव ठाकरे गुट के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। भारतीय विद्यार्थी सेना के पूर्व जिला प्रमुख राजू ढमाले और श्रद्धा ढमाले के नेतृत्व में हुए इस दलबदल ने चुनावी माहौल में हलचल मचा दी है। ऐसे समय में जब हर एक वोट निर्णायक माना जा रहा है, शिवसेना के पारंपरिक गढ़ में भाजपा की यह सेंधमारी ठाकरे गुट के लिए एक बड़ा रणनीतिक नुकसान साबित हो सकती है।

वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में 'कमल' का संकल्प

बुधवार को वर्तकनगर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे और जिला अध्यक्ष संदीप लेले ने सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर राजू ढमाले ने दिवंगत सेना नेता विलास ढमाले के परिवार और रूपेश जैन, नीलेश जोशी व अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभी कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव में पूरे ठाणे शहर में 'कमल' खिलाने और भाजपा को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। भाजपा नेतृत्व ने इसे अपनी विकासवादी राजनीति की जीत और विरोधियों के प्रभाव में कमी के रूप में देखा है।

एपीएमसी में युवक की नृशंस हत्या

15 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज
हिरासत में लिए गए आरोपी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

कोपरी गांव स्थित साईं बाबा मंदिर परिसर में मंगलवार देर रात एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अमित यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, करीब 10 से 12 हमलावरों ने अमित को फिल्मी अंदाज में घेर लिया और पहले उसकी जमकर पिटाई की। इसके बाद धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी दोपहिया वाहनों से मौके से फरार हो गए। पुलिस ने सूचना मिलते ही घायल को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुरानी रंजिश और योजनाबद्ध हमला

जांच में सामने आया है कि मृतक अमित यादव और सभी संदिग्ध आरोपी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और खैरणे क्षेत्र के कोपरी गांव में रहते थे। इनके बीच पुराना विवाद चल रहा था, जिसे पहले सुलझा लिया गया था, लेकिन आरोपी रंजिश पाले हुए थे। कुछ समय से इलाके से बाहर रहने के बाद जैसे ही मंगलवार रात अमित कोपरी गांव में दिखाई दिया, आरोपियों ने उसकी घेराबंदी कर दी। पुलिस ने इस मामले में लकी शेख, अरहम पटेल, वसीम राईं और मोहम्मद शेख समेत करीब 11 संदिग्धों को नामजद किया है।

पुलिसिया कार्रवाई और संदिग्ध हिरासत में

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पंकज डहाणे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजय शिंदे समेत आला अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रातों-रात छापेमारी की और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त आदिनाथ बुधवंत के अनुसार, हत्या के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है। पुलिस का दावा है कि शेष फरार आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वायु प्रदूषण के खिलाफ सख्त कार्रवाई

नवी मुंबई। नवी मुंबई नगर निगम ने शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाते हुए दिसंबर महीने में प्रदूषण फैलाने वाले 42 निर्माण स्थलों को नोटिस जारी किए हैं। इनमें से 19 निर्माण स्थलों पर तत्काल काम रोकने के आदेश दिए गए हैं। सर्दियों में कम हवा की गति, नमी और धुएं के कारण प्रदूषक तत्व वातावरण में फंसे रहते हैं, जिससे हर साल इस मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने वर्ष 2024 के लिए वायु प्रदूषण नियंत्रण के 27 सूत्रीय दिशानिर्देश लागू किए हैं। आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में लागू दिशा-निर्देशों के अनुसार, 'जीआरएपी-4' श्रेणी में आने वाले 19 स्थानों पर, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से अधिक दर्ज किया गया, वहां निर्माण कार्य रोक दिया गया। नगर निगम ने निर्माण स्थलों पर मानक संचालन प्रक्रिया लागू करने और प्रत्येक साइट पर वायु गुणवत्ता मापने वाले उपकरण लगाना अनिवार्य किया है।

पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन की क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम को विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली थी कि नेतीवली इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रात करीब 11 बजे नेतीवली स्थित पुराने अनाज स्टोर के पास रणनीतिक घेराबंदी की। जैसे ही 21 वर्षीय संदिग्ध करण जीतू निषाद वहां पहुंचा, पुलिस ने उसे तत्परता दिखाते हुए चारों तरफ से घेर लिया और हिरासत में ले लिया।

पिस्टल की बरामदगी और आरोपी की पहचान

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक स्टील की पिस्टल बरामद हुई, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 25,000 रुपये आंकी गई है। पकड़ा गया आरोपी करण निषाद डोंबिवली पूर्व के देसलेपाड़ा का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम (Arms Act) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद से इलाके में अवैध हथियार रखने वाले अपराधियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है।

जांच और वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन

यह सफल ऑपरेशन पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे और सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर गणेश न्हायडे जैसे वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप भालेराव और उनकी टीम द्वारा अंजाम दिया गया। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि आरोपी ने यह पिस्टल कहाँ से खरीदी थी और वह इस हथियार से किस विशिष्ट वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इस कार्रवाई ने कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की सतर्कता को स्पष्ट किया है।

14 निवेशकों से 2.39 करोड़ की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । पालघर

पालघर जिले से शेयर मार्केट से जुड़ा ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है। जहां एक व्यक्ति ने निवेशकों को मोटे मुनाफे का सपना दिखाकर करोड़ों रुपये ठग लिए। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने खुद को शेयर बाजार का जानकार बताकर लोगों का भरोसा जीता। निवेशकों को कम समय में ज्यादा रिटर्न मिलने का लालच दिया गया। इसी भरोसे में आकर कई लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई आरोपी को सौंप दी। लेकिन समय बीतने के साथ ही सच्चाई सामने आने लगी। जब रिटर्न नहीं मिला तो निवेशकों को ठगी का अहसास हुआ।

पुलिस तक पहुंचा मामला

जब लंबे समय तक पैसे वापस नहीं मिले तो एक निवेशक ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद बोईसर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने दस्तावेज और लेनदेन की जानकारी जुटाई। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने किसी भी निवेशक को एक भी रुपये का रिटर्न नहीं दिया।

शेयर मार्केट के नाम पर करोड़ों की ठगी

आरोपी की पहचान और कंपनी का खेल

पुलिस ने आरोपी की पहचान 36 वर्षीय रोशन चंदनलाल जैन के रूप में की है। रोशन ने बोईसर इलाके में स्थित अपनी एक कंपनी के जरिए निवेश का यह जाल बिछाया था। वह खुद को प्रोफेशनल निवेश सलाहकार बताता था। निवेशकों को कहा गया कि उनका पैसा शेयर मार्केट में लगाया जाएगा। कंपनी के नाम और ऑफिस की वजह से लोगों को भरोसा हो गया। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने बड़ी रकम इकट्ठा कर ली। निवेशकों को लगा कि उनका पैसा सुरक्षित हाथों में है।

2022 से चल रहा था ठगी का खेल

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह ठगी साल 2022 से लगातार चल रही थी। इस दौरान आरोपी ने 14 निवेशकों से करीब 2.39 करोड़ रुपये जुटाए। शुरुआत में आरोपी लगातार संपर्क में रहा और निवेशकों को भरोसे में रखता रहा। लेकिन धीरे-धीरे उसने रिटर्न देना बंद कर दिया। न तो मुनाफा मिला और न ही मूल रकम वापस हुई। निवेशक बार-बार संपर्क करते रहे लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा। यहीं से शक और गहराता चला गया।

आरोपी रोशन चंदनलाल जैन की गिरफ्तारी

बोईसर पुलिस ने रोशन चंदनलाल जैन को सोमवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है। यह जानने की कोशिश हो रही है कि पैसा कहां खर्च किया गया। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस ठगी में कोई और शामिल तो नहीं है। निवेशकों को न्याय दिलाने के लिए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आर्थिक अपराध शाखा यानी ईओडब्ल्यू भी जांच में जुट गई है।

राकांपा का घोषणापत्र जारी

● मुंबई में बुनियादी ढांचे के उन्नयन और समान अवसरों का वादा

बीएमसी चुनाव

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने बुधवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें समावेशी विकास, पारदर्शी शासन और मुंबई को एक वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा उन्नयन का वादा किया गया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने 'आपली मुंबई, सर्वसम्मत मुंबई' के विजन के तहत पांच वर्षों में 500 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण, पुलों व फ्लाईओवरों के आधुनिकीकरण, एआई आधारित यातायात प्रबंधन, बीकेसी, वर्ली और पूर्वी उपनगरों में नए आर्थिक केंद्रों के विकास, एक लाख किफायती घरों के निर्माण, झुग्गी पुनर्वास, महिलाओं की सुरक्षा, मेट्रो व उपनगरीय रेल विस्तार और व्यापक वृक्षारोपण जैसे प्रमुख वादे किए हैं। पार्टी ने 227 वार्डों में से 92 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि महायुति सहयोगी भाजपा और शिवसेना ने बीएमसी चुनाव गठबंधन में लड़ने की घोषणा की है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रैफिक समाधान

एनसीपी का बीएमसी चुनावी मेनिफेस्टो शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर केंद्रित है। पार्टी ने अगले पांच वर्षों में मुंबई में 500 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण, मौजूदा सड़कों, पुलों और फ्लाईओवरों के आधुनिकीकरण का वादा किया है। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी योजना के तहत डिजिटल सेवाओं, वाई-फाई और सीसीटीवी नेटवर्क के विस्तार तथा बीकेसी, वर्ली और पूर्वी उपनगरों को विकसित कर नए रोजगार केंद्र बनाने की घोषणा की गई है।

स्मार्ट ट्रैफिक और शहरी गतिशीलता

मेनिफ़ेस्टो में एआई आधारित स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम और आंतरिक सड़क नेटवर्क के जरिए यातायात नियंत्रण पर जोर दिया गया है। इससे ट्रैफिक जाम में कमी आने, यात्रा समय घटने और मुंबई के वित्तीय केंद्रों को अधिक सुचारू बनाने का दावा किया गया है।

पानी की सप्लाई और जल प्रबंधन

एनसीपी ने पुराने चॉल और झुग्गी-झोपड़ियों में मुफ्त और 24×7 पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने का वादा किया है। पानी की लीकेज रोकने के लिए आधुनिक तकनीक, 'जल समृद्ध नगर अभियान' के तहत जल संरक्षण, पुनः उपयोग और वितरण के प्रभावी उपाय तथा 2030 तक स्मार्ट वॉटर मीटर के माध्यम से वॉटर लिटरेट वार्ड मिशन लागू करने की बात कही गई है।

स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण

एनसीपी के घोषणापत्र में हर वार्ड में उन्नत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मुफ्त मेडिकल चेक-अप और महामारी से निपटने की तैयारियों पर जोर दिया गया है। नगर निगम अस्पतालों को डायग्नोस्टिक और टेली-कंसल्टिंग सुविधाओं से युक्त बनाने, स्कूलों में हेल्थ कार्ड और मानसिक स्वास्थ्य व नशा मुक्ति काउंसलिंग केंद्र शुरू करने का भी वादा किया गया है।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सफाई व्यवस्था

पार्टी ने 'ज़ीरो वेस्ट पॉलिसी' लागू करने, रीसाइक्लिंग प्लांट बढ़ाने और प्लास्टिक बैन को सख्ती से लागू करने का भरोसा दिलाया है। इसके अलावा नालों और नदियों की सफाई, बाढ़ नियंत्रण के लिए नया ड्रेनेज सिस्टम, नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 'वेस्ट क्रेडिट सर्टिफिकेट' और सफाई कर्मचारियों के लिए मुफ्त आवास व हेल्थ इंश्योरेंस योजना का भी प्रस्ताव है।

शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट

शिक्षा क्षेत्र में पार्टी ने स्कूलों को डिजिटल क्लासरूम और एआई आधारित शिक्षा से लैस करने, मुफ्त पोषण आहार योजना, अध्ययन केंद्र और सेकेंडरी स्तर पर उद्योगों के सहयोग से वोकेशनल ट्रेनिंग शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही संविधानिक मूल्यों पर आधारित नागरिक शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट कोर्स शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। एनसीपी ने मुंबई को 'ग्रीन सिटी' बनाने के लिए 10 लाख पेड़ लगाने, पार्कों के विस्तार, एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग और इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाहनों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है।

शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार पर चाकू से हमला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बीएमसी चुनाव प्रचार के दौरान बांद्रा के ज्ञानेश्वर नगर इलाके में शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के उम्मीदवार हाजी सलीम कुरैशी पर एक अज्ञात हमलावर ने जानलेवा हमला कर दिया। जब कुरैशी अपने समर्थकों के साथ प्रचार कर रहे थे, तभी अचानक भीड़ में से आए एक व्यक्ति ने उनके पेट में धारदार चाकू घोंप दिया। इस अचानक हुए हमले से इलाके में हड़कंप मच गया और तुरंत उन्हें महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। इस घटना ने चुनाव के दौरान उम्मीदवारों की सुरक्षा और मुंबई की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजनीतिक हिंसा की बढ़ती घटनाएं और सुरक्षा पर सवाल

कुरैशी पर हुए हमले से पहले भी राजनीतिक हिंसा की खबरें सामने आई हैं, जिसने चुनावी माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है। हाल ही में एमआईएम नेता और पूर्व सांसद इम्तियाज जलील की गाड़ी पर भी हमला किया गया था, जिसमें उनके साथ मौजूद लोगों के साथ मारपीट की गई। महाराष्ट्र में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद, लगातार हो रही इन हिंसक घटनाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस अब इन मामलों की गहराई से जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन हमलों के पीछे क्या कोई बड़ी साजिश है या यह आपसी रंजिश का परिणाम है।

आरबीआई अधिकारी बनकर व्यापारी को लगाया लाखों का चूना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

माटुंगा इलाके से ठगी का एक मामला सामने आया है। यह मामला बेहद चौंकाने वाला है, जिसमें आरोपियों ने खुद को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का अधिकारी बताकर एक व्यापारी को झांसा दिया और उससे लाखों रुपए ठग लिए। आरोपियों ने काले कागज और केमिकल से असली नोट बनाने का नाटक किया और फिर व्यापारी का भरोसा जीत लिया। इसके बाद व्यापारी से मोटी रकम ऐंठ ली। माटुंगा पुलिस के मुताबिक, पीड़ित अक्षय गजानन खाडे (32) पुणे के हडपसर इलाके के रहने वाले हैं और शेयर मार्केट से जुड़ा काम करते हैं। अक्षय बचपन से दिव्यांग हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने उनकी इसी स्थिति और भरोसे का फायदा उठाया। जांच में सामने आया है कि अक्षय की पहचान साल 2017 में अरविंद बबन लांबे नाम के व्यक्ति से हुई थी। नवंबर 2024 में अरविंद ने फेसबुक के जरिए दोबारा संपर्क किया और खुद को आरबीआई में काम करने वाला बताते हुए एक 'सीक्रेट डील' का लालच दिया। इसके बाद 27 नवंबर 2024 को अक्षय को दादर पूर्व के एक होटल में बुलाया गया, जहां अरविंद लांबे, विकास शिंदे और एक अन्य व्यक्ति ने काले कागज को केमिकल में डालकर 500 रुपए के नोट बनाने का डेमो दिखाया।

शक होने पर पुलिस को दी सूचना

मई 2025 में एक आरोपी ने फिर संपर्क कर खुद को बैंक से जुड़े किसी मामले में फंसा होने की बात कही और 4 लाख रुपए और मांगने की कोशिश की। इस बार अक्षय को शक हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी। नालासोपारा में पुलिस की मौजूदगी में हुई पूछताछ के दौरान आरोपी अरविंद लांबे ने ठगी की बात कबूल की और रकम लौटाने का लिखित आश्वासन भी दिया, लेकिन पैसे वापस नहीं किए।

बैंक में नोट जमा कराकर जीता विश्वास

अक्षय को शक हुआ तो आरोपियों ने दादर पश्चिम के एक बैंक में वही नोट जमा कराकर यह दिखाने की कोशिश की कि नोट पूरी तरह से असली है। इस नाटक के बाद नोट बनाने की सामग्री देने के नाम पर व्यापारी से पहले 1.50 लाख रुपए नकद लिए गए और इसके बाद 15 लाख रुपए देने पर 47 लाख रुपए बनाने का लालच दिया गया। इस झांसे में आकर अक्षय ने दोस्तों से पैसे उधार लिए और दादर स्टेशन परिसर में 10 लाख रुपए नकद दिए। इसके अलावा 3 .15 लाख रुपए अलग-अलग खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए। रकम हाथ लगते ही आरोपी फोन उठाने से बचने लगे।

अलग-अलग थानों में आई कई शिकायतें

जांच के दौरान पीड़ित का बैंक खाता भी सील कर दिया गया। ठाणे और मुंबई के अलग-अलग पुलिस थानों में इस मामले से जुड़ी शिकायतें सामने आने के बाद अब माटुंगा पुलिस ठगी के नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने लोगों को इसी तरह ठगा है। मामले की जांच फिलहाल जारी है।

कांग्रेस के विचारों से शिवसेना कभी सहमत नहीं होगी, इसलिए साथ छोड़ा : केसरकर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है, जिसे लेकर महायुति गठबंधन के भीतर और विरोधियों के बीच नई हलचल तेज हो गई है। विधायक और पूर्व मंत्री दीपक केसरकर ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्पष्ट किया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है, जिसके प्रमाण हालिया चुनावी नतीजों में मिलते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिवसेना, बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व के विचारों पर अडिग है और यही कारण है कि पार्टी ने कांग्रेस की विचारधारा का साथ छोड़कर भाजपा के साथ महायुति सरकार बनाई। केसरकर के अनुसार, शिवसेना और भाजपा की विचारधारा का मूल आधार हिंदुत्व है, जो इस गठबंधन को मजबूती प्रदान करता है।

वीर सावरकर का अपमान और उबाठा पर प्रहार

प्रेस कॉन्फ्रेंस में दीपक केसरकर ने कांग्रेस और उबाठा (UBT) गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से वीर सावरकर की विरोधी रही है और राहुल गांधी ने उनका बार-बार अपमान किया है। केसरकर ने सवाल उठाया कि उबाठा किस आधार पर सावरकर विरोधी विचारधारा के साथ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने इसी 'अनैसर्गिक' गठबंधन के कारण पिछले चुनावों में उबाठा को नकार दिया है और सावरकर का अपमान करने वालों को राज्य की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

बीजेपी से अंबरनाथ प्रस्ताव पर सकारात्मकता की उम्मीद

अंबरनाथ के राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा करते हुए केसरकर ने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी 'अनैसर्गिक युति' को महत्व नहीं देगी। शिवसेना की ओर से अंबरनाथ को लेकर जो प्रस्ताव दिया गया है, उस पर बीजेपी सकारात्मक रुख अपनाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि महायुति के घटक दल आपसी समन्वय से काम करेंगे ताकि गठबंधन की ताकत जमीनी स्तर पर बनी रहे और विरोधियों की साजिशों को विफल किया जा सके।

डॉ. श्रीकांत शिंदे की कार्रवाई की मांग

इस बीच, अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच हुए कथित गठबंधन को लेकर सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस के खिलाफ बीजेपी और शिवसेना वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं, उसी के साथ सत्ता के लिए हाथ मिलाना पूरी तरह गलत है। डॉ. शिंदे ने बीजेपी के वरिष्ठ नेतृत्व से इस मामले में हस्तक्षेप करने और स्थानीय स्तर पर ऐसी 'अनैसर्गिक' गतिविधियों में शामिल नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

मुश्किल में कुंद्रा, समन जारी

बिटकॉइन 'घोटाले' में कार्यवाही आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सबूत : कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की एक विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत ने राज कुंद्रा और दुबई स्थित व्यवसायी राजेश सतीजा को समन जारी कर 19 जनवरी को पेश होने का आदेश दिया है। न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर बी रोटे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि गवाहों के बयानों और प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा दाखिल पूरक आरोप पत्र के आधार पर प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि कुंद्रा और सतीजा अपराध में संलिप्त थे। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

150 करोड़ के बिटकॉइन और 'मध्यस्थ' होने का दावा

प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि राज कुंद्रा ने इस पोंजी घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता अमित भारद्वाज से 285 बिटकॉइन प्राप्त किए थे। यह लेनदेन यूक्रेन में 'बिटकॉइन माइनिंग फार्म' स्थापित करने के लिए हुआ था, लेकिन सौदा कभी पूरा नहीं हुआ। वर्तमान में इन बिटकॉइन की कीमत 150 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। हालांकि कुंद्रा ने दावा किया कि उन्होंने केवल एक मध्यस्थ के रूप में काम किया था, लेकिन ईडी का कहना है कि कुंद्रा और भारद्वाज के बीच सीधे तौर पर एक 'टर्म शीट' समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो उनके दावों को खारिज करता है।

सबूत नष्ट करने और असहयोग का गंभीर आरोप

ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि राज कुंद्रा जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। आरोप पत्र के अनुसार, कुंद्रा 2018 से उन 'डिजिटल वॉलेट एड्रेस' की जानकारी देने में विफल रहे हैं जहां बिटकॉइन स्थानांतरित किए गए थे। उन्होंने अपना आईफोन-10 खराब होने का बहाना बनाकर जानकारी देने से इनकार कर दिया, जिसे ईडी ने सबूतों को नष्ट करने और अपराध की कमाई (Proceeds of Crime) को छिपाने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया है।

अभिनेता अभिमन्यु के घर में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

1.37 करोड़ का सामान बरामद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र पुलिस ने अभिनेता अभिमन्यु सिंह के मुंबई स्थित आवास पर हुई चोरी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 1.37 करोड़ रुपए का सामान भी बरामद किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपी की पहचान पालघर निवासी 40 वर्षीय मनोज मोहन राठौड़ के रूप में हुई है। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी चोरी के कम से कम 14 मामलों में संलिप्त है। अभिनेता अभिमन्यु सिंह के बंगले में 29 दिसंबर की रात को चोरी हुई।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष के बयान पर सीएम फडणवीस की सफाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने हाल ही में लातूर दौरे के दौरान विलासराव देशमुख को लेकर एक विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर लातूर शहर से विलासराव देशमुख की यादें मिटाने की बात कही, जिसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में उबाल आ गया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए भाजपा पर तीखा हमला बोला। विपक्ष का तर्क है कि राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले एक दिवंगत व्यक्तित्व के प्रति ऐसी भाषा का प्रयोग महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ है। विवाद बढ़ता देख मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रवींद्र चव्हाण का बचाव करते हुए स्थिति को संभालने की कोशिश की है। फडणवीस ने कहा कि चव्हाण के मुंह से वे शब्द संभवतः 'गलती से' निकल गए होंगे और उन्होंने इसके लिए माफी भी मांग ली है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि चव्हाण का वास्तविक इरादा राजनीतिक रूप से नए रिकॉर्ड बनाने की बात करना था, न कि किसी का अपमान करना। फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक जीवन में कभी-कभी शब्दों का चयन गलत हो सकता है, लेकिन इसका अर्थ पार्टी की आधिकारिक नीति नहीं है।

विलासराव देशमुख के प्रति सम्मान और भाजपा का रुख

देवेंद्र फडणवीस ने विलासराव देशमुख के प्रति अपना और अपनी पार्टी का सम्मान व्यक्त करते हुए डैमेज कंट्रोल की कोशिश की। उन्होंने कहा कि विलासराव जी ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर महाराष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभाई है और वे राज्य के एक बड़े नेता हैं। फडणवीस ने साफ शब्दों में कहा, 'भले ही कांग्रेस से हमारी वैचारिक लड़ाई रहे, लेकिन विलासराव देशमुख के लिए हमारे मन में हमेशा इज्जत है।' इस बयान के जरिए मुख्यमंत्री ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि भाजपा दिवंगत नेताओं के सम्मान के मामले में कोई समझौता नहीं करती।

महाराष्ट्र के कई जिलों में ठंड का प्रकोप

● **नागपुर में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया**

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जनवरी के पहले हफ्ते में उत्तर से आने वाली सर्द हवाओं के कारण पूरे महाराष्ट्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तर और मध्य महाराष्ट्र के साथ-साथ विदर्भ और मराठवाड़ा में भी न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। विदर्भ के अधिकांश जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। 7 जनवरी को नागपुर में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि यवतमाल में यह 9.8 डिग्री रहा। ठंड का आलम यह है कि लोगों को अब केवल रात में ही नहीं, बल्कि दिन में भी ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है।

गोंदिया जिला इस समय भीषण ठंड की चपेट में है और लगातार दूसरे दिन यह राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा। मंगलवार को यहाँ पारा गिरकर 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया था, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान है। बुधवार को भी गोंदिया में 7.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। रविवार को तापमान 12.2 डिग्री होने पर लोगों को लगा था कि ठंड कम होगी, लेकिन अचानक हुई गिरावट ने सबको चौंका दिया है। मौसम विभाग ने जिले के लिए 'शीत लहर' की चेतावनी भी जारी की है।

अगले तीन दिन और बढ़ेगी ठंड

भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, उत्तर भारत में चल रही शीतलहर का सीधा असर विदर्भ और आसपास के इलाकों पर दिख रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने अनुमान जताया है कि अगले तीन दिनों तक ठंड का यह कहर जारी रहेगा। राज्य के कई हिस्सों में आसमान साफ रहने और उत्तरी हवाओं के सक्रिय होने के कारण न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। प्रशासन ने नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

भाजपा पहले बांग्लादेशी शेख हसीना को देश से बाहर निकाले: नवाब मलिक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा विधायक अमित साटम ने कांग्रेस विधायक असलम शेख पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाकर चुनाव में नया मोड़ ला दिया है। साटम के इस बयान ने स्थानीय राजनीति को गरमा दिया है, जिससे बीएमसी चुनाव के मुख्य एजेंडे में अचानक 'राष्ट्रीय सुरक्षा' और 'अवैध घुसपैठ' जैसे विषय शामिल हो गए हैं। भाजपा इस मुद्दे को भुनाने की कोशिश कर रही है, जबकि विपक्षी दल इसे ध्रुवीकरण की राजनीति बता रहे हैं।

भाजपा के आरोपों पर राकांपा (अजित पवार गुट) के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें बांग्लादेशियों से इतनी ही समस्या है, तो भारत में शरण लिए हुए बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पहले बाहर निकालना चाहिए। मलिक ने आरोप लगाया कि साटम केवल मुस्लिम मतदाताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने यह भी तंज कसा कि अमित साटम चुनाव के समय मुस्लिम मतदाताओं के घर जाकर भोजन करते हैं, लेकिन चुनाव आते ही वोट बैंक के लिए उन्हें और उनके क्षेत्र को 'घुसपैठियों' से जोड़ने लगते हैं।

संपादकीय

अमेरिकी टैरिफ नीतियों से भारत को रहना होगा सतर्क

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियाँ 2025 में दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए चर्चा का विषय बनीं हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन नीतियों की वजह से कुछ राहत महसूस हुई जैसे मुद्रास्फीति पर अंकुश लगना और घरेलू उद्योगों का संरक्षण लेकिन 2026 के लिए चेतावनियाँ भी जताई जा रही हैं कि यदि ये नीतियाँ जारी रहीं तो वैश्विक व्यापार और आर्थिक संतुलन पर जोखिम बढ़ सकता है। हाल ही में अमेरिकी फेडरल रिज़र्व की रिसर्च में बताया गया कि टैरिफ उपायों ने मुद्रास्फीति को कम करने में मदद की, लेकिन इससे रोजगार बाज़ार पर दबाव पड़ा और बाजार में अनिश्चितता बनी रही। टैरिफ का उद्देश्य अक्सर घरेलू उद्योगों को सस्ते विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना होता है। परंतु इसका प्रभाव सिर्फ अमेरिकी अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। जब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था व्यापार नीतियों में इतनी तीव्रता दिखाती है, तो इसके असर की लहरें दूसरे देशों तक पहुँचती हैं और भारत उन प्रमुख देशों में से एक है जो इस प्रभाव से बचने की रणनीति बना रहा है। ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीतियों के तहत भारत पर लगाए गए शुल्क भारतीय निर्यात को महंगा बनाते हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत से शुरू होकर कुल 50 प्रतिशत तक शुल्क लगा दिया है, जिससे भारत के अमेरिका निर्यातित सामानों की कीमत बढ़ जाती है और वे अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में मुश्किल का सामना करते हैं। इससे कुछ आर्थिक अप्रत्यक्ष प्रभाव उत्पन्न हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि 50 प्रतिशत टैरिफ लागू रहता है, तो भारत की GDP ग्रोथ पर 40–80 आधार अंक तक दबाव आ सकता है, जिसका मतलब है आर्थिक विकास दर में गिरावट का जोखिम। ऐसे दबाव के कारण सरकार को मौद्रिक और वित्तीय नीतियों में बदलाव करने पड़ सकते हैं, जैसे रिज़र्व बैंक द्वारा दरों में कटौती या निवेश को प्रोत्साहित करने वाली योजनाएँ लाना। भारत के लिए चिंता का एक बड़ा पहलू यह है कि अमेरिका भारतीय निर्यात का सबसे बड़ा बाज़ार है। 2024-25 में भारत ने अमेरिका को अरबों डॉलर का सामान निर्यात किया, जिसमें वस्त्र, रत्न और आभूषण, मशीनरी और कृषि उत्पाद शामिल हैं। जब इन उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क बढ़ता है, तो उनके प्रतिस्पर्धी मूल्य बढ़ जाते हैं, जिससे बाज़ार हिस्सेदारी और बिक्री गिर सकती है। इससे नौकरियाँ प्रभावित हो सकती हैं, खासकर उन श्रमिकों के लिए जो श्रम-गहन उद्योगों जैसे वस्त्र और ज्वेलरी में काम करते हैं। हालाँकि कुछ विश्लेषक यह भी कहते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था में निर्यात का हिस्सा कुल GDP का छोटा भाग है लगभग 2-4 प्रतिशत के आसपास इसलिए कुल प्रभाव सीमित रह सकता है। अभी तक कुछ रिपोर्टों ने संकेत दिया है कि पूरे GDP में यह प्रभाव सिर्फ 0.19 प्रतिशत तक हो सकता है। लेकिन अप्रत्यक्ष प्रभाव, जैसे निवेश निर्णयों में अनिश्चितता, उत्पादन क्षमता में कमी और बाज़ार विविधीकरण के दबाव, अधिक व्यापक हो सकते हैं। भारत की प्रतिक्रिया में सरकार न केवल वैश्विक बाजारों में निर्यात बढ़ाने और मुक्त व्यापार समझौतों का विस्तार करने की योजना बना रही है, बल्कि विविध बाजारों की तलाश भी तेज कर रही है, ताकि अमेरिका के अलावा यूरोप, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों में निर्यात को बढ़ाया जा सके। इस आर्थिक परिदृश्य में यह स्पष्ट है कि टैरिफ नीतियाँ सिर्फ एक देश के राजस्व या संरक्षण का मुद्दा नहीं हैं — आज वे वैश्विक व्यापार तंत्र की संरचना को प्रभावित कर रही हैं। भारत जैसे उभरते बाजारों को संतुलित नीति, निर्यात-विस्तार योजनाओं, और घरेलू उद्योगों के लिए समर्थन करके इस तरह के जोखिमों का सामना करना होगा।

पढ़ने की आदत

जीवन, समाज और भविष्य की अनिवार्य शर्त

-देवेंद्रनाथ जैसवार

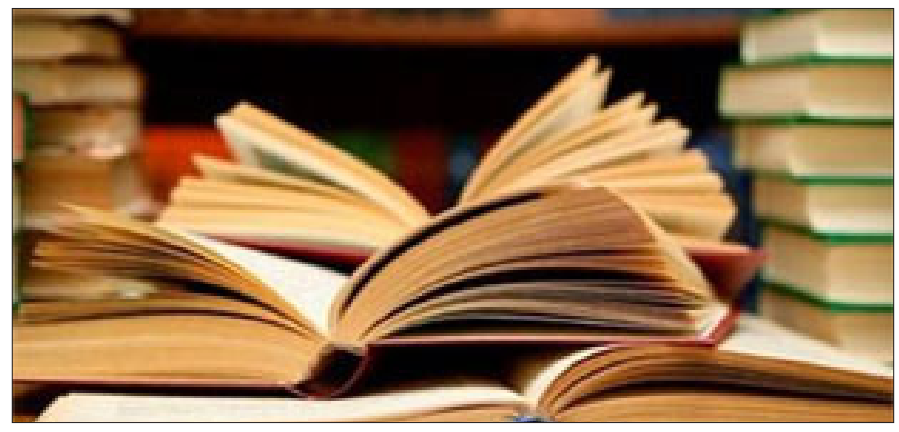

पढ़ने की आदत आज सिर्फ एक शौक नहीं रह गई है — यह समाज और व्यक्ति दोनों के भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण ज़रूरत बन चुकी है। सूचना की उपलब्धता और डिजिटल दुनिया की तेज़ी ने ज़रूरी जानकारी तक पहुँच तो आसान कर दी, लेकिन उसी तकनीक ने लोगों की गहन पढ़ाई और विचार-विमर्श की क्षमता को कमजोर भी किया है। दुनिया के कई बड़े अध्ययनों से पता चलता है कि मनोरंजन के लिए पढ़ना लगातार गिर रहा है; अमेरिका में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार केवल 16 प्रतिशत वयस्क लोग अब रोज़ाना किसी किताब, अख़बार या पत्रिका को पढ़ते हैं — यह दो दशक पहले की तुलना में करीब 40 प्रतिशत कम है। यह गिरावट खासकर बच्चों और युवाओं में ज्यादा चिंता का विषय है। राष्ट्रीय साक्षरता ट्रस्ट (एनएलटी) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 8 से 18 वर्ष के केवल लगभग 35 प्रतिशत ही खुद कहते हैं कि उन्हें अपने खाली समय में पढ़ना अच्छा लगता है, जो पिछले साल की तुलना में करीब 9 प्रतिशत कम है। इसी सर्वे में यह भी सामने आया कि सिर्फ लगभग 20.5 प्रतिशत बच्चे रोज़ाना कुछ न कुछ पढ़ते हैं — जो पिछले 20 सालों में सबसे कम स्तर है। दुनियाभर में हाल ही के आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि शिक्षा और दक्षता स्तर के बढ़ने के बावजूद लाखों लोग अभी भी मूल पठन-लेखन तक नहीं पहुँच पाए हैं। यूनेस्को के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक साक्षरता दर में काफी सुधार हुआ है, और लगभग 90 प्रतिशत लोग पढ़ और लिख सकते हैं। लेकिन अभी भी लगभग 750 मिलियन वयस्कों को बुनियादी पढ़ने की क्षमता हासिल नहीं है — और इनमें दो-तिहाई महिलाएँ हैं। ऐसे समय में जब पढ़ाई के प्रति रुचि घट रही है, कुछ सरकारें इसे प्राथमिकता के रूप में फिर से ला रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में एक अनूठा कदम उठाते हुए सरकारी स्कूलों में रोज़ाना अख़बार पढ़ना अनिवार्य कर दिया है, ताकि बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित हो, मोबाइल और स्क्रीन पर बिताया जाने वाला समय कम हो और उनकी सामाजिक और बौद्धिक समझ मजबूत बने। इसी तरह राजस्थान, केरल जैसे राज्यों ने भी स्कूलों में अख़बार पढ़ने और व्यापक पठन-लेखन गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है। यह कदम सिर्फ एक नई नीति नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी की तरह है। यह बताता है कि दुनिया बदल रही है — लेकिन बदलाव से पहले सोचना, समझना, और विश्लेषण करना सीखना ज़रूरी है। अख़बार पढ़ना बच्चों को न सिर्फ भाषा सीखने में मदद करता है, बल्कि उन्हें देश दुनिया की खबरों, आर्थिक पैटर्न, राजनीतिक निर्णयों और सांस्कृतिक विविधता को आत्मसात करने का मौका देता है। हालांकि कुछ देशों में लोग औसतन बहुत ही अधिक समय पढ़ने में बिता रहे हैं — उदाहरण के तौर पर 2025 की एक रिपोर्ट में यह सामने आया कि भारत में औसतन हर व्यक्ति लगभग 352 घंटे पढ़ने में बिताता है, जो दुनिया में दूसरा उच्चतम आंकड़ा है। यह दर्शाता है कि विशुद्ध आनंद के लिए, या व्यक्तिगत विकास के लिए पढ़ना अभी भी कई लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पढ़ना मानवता के लिए सिर्फ एक कला नहीं है, बल्कि जीवन की अनिवार्य शर्त है। यह हमें केवल शब्दों के अर्थ समझने नहीं सिखाता — यह हमें चिंतन, विश्लेषण, पूछताछ और संवेदनशीलता की क्षमता देता है। जब हम कोई गहरी किताब पढ़ते हैं, तो हम न केवल लेखक की बात समझते हैं, बल्कि उसकी दुनिया, उसके तर्कों और उसके दृष्टिकोण को अपने मन में परखते हैं। यही प्रक्रिया हमें ज़िम्मेदार, जानकार और संवेदनशील नागरिक बनाती है। पढ़ना समाज को भी सशक्त बनाता है। अध्ययन बताते हैं कि साक्षरता में सुधार गरीबी के स्तर को कम करने, भेदभाव को मिटाने और राजनीतिक जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केरल में सार्वजनिक रूप से पढ़ने की संस्कृति को आर्थिक उन्नति और अंधविश्वास के खिलाफ लड़ाई का एक मजबूत हथियार बताया गया है, जहां मुख्यमंत्री ने कहा कि पढ़ने की आदत ने राज्य को गरीबी से मुक्ति की ओर अग्रसर किया है। आज जब तकनीक और त्वरित मनोरंजन हमारी सोच को क्षुद्र कर रहे हैं, पढ़ना वह मूल्य है जो हमें गंभीर सोच, नैतिकता, संस्कृति और मानवता के मूल्यों से जोड़ता है। मशीनें जानकारी दे सकती हैं, लेकिन सोचने की क्षमता, समझने की गहराई और मानवीय संवेदना केवल पढ़ाई से ही आती है। इसलिए सिर्फ स्कूलों में पढ़ाई को अनिवार्य करना पर्याप्त नहीं है। हमें घरों में भी पढ़ने की संस्कृति विकसित करनी होगी — माता-पिता को बच्चों के साथ किताबें पढ़नी चाहिए, समाचार पर चर्चा करनी चाहिए, और समाज को यह संदेश देना चाहिए कि पढ़ना जीवन को समझने का सबसे सशक्त तरीका है। पढ़ना सिर्फ एक आदत नहीं — यह जीवन की अनिवार्य शर्तें हैं। ज्ञान, समझ, संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना — इन सभी का मूल पढ़ने में ही छिपा है। इसलिए आज जितना हो सके, किताबों के पृष्ठ खोलें, अख़बार पढ़ें, गहरी लेखों में विचार करें — क्योंकि यही आदत हमें बेहतर इंसान, बेहतर समाज और बेहतर भविष्य की ओर ले जाएगी।

जीवन मंत्र

प्रेम: सफलता और खुशहाली का स्तंभ

याद रखें, जीवन में कठिनाईयां आएंगी, पर सकारात्मक ऊर्जा और प्रेम की शक्ति उन्हें अवसर में बदल सकती है। जो लोग अपने जीवन में प्रेम और उत्साह के साथ आगे बढ़ते हैं, वे दूसरों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

जीवन एक अनमोल उपहार है, जिसे हर क्षण महसूस करना और सकारात्मक दृष्टिकोण से जीना हमारी जिम्मेदारी है। जीवन केवल सांस लेने और समय बिताने तक सीमित नहीं है; यह उद्देश्य, ऊर्जा और प्रेम से भरा होना चाहिए। हमारे भीतर की ऊर्जा हमें आगे बढ़ने, चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की शक्ति देती है। जब हम अपने जीवन में उत्साह और सकारात्मक सोच बनाए रखते हैं, तब हमारे भीतर असीम संभावनाओं का स्रोत जागृत होता है। प्रेम इस जीवन की सबसे सुंदर शक्ति है। यह केवल रोमांटिक भाव नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सहानुभूति का प्रतीक है। जब हम दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान का व्यवहार करते हैं, तो न केवल उनके जीवन में खुशियां आती हैं, बल्कि हमारा जीवन भी आनंद और संतोष से भर जाता है। प्रेम हमें घृणा, ईर्ष्या और तनाव से दूर रखता है और हमारे मन और शरीर को

स्वस्थ बनाए रखता है। जीवन और ऊर्जा का सही उपयोग तब संभव है जब हम अपने सपनों, प्रयासों और दूसरों के प्रति प्रेम को संतुलित करते हैं। ऊर्जा केवल शारीरिक शक्ति नहीं, बल्कि मानसिक उत्साह और आत्मविश्वास भी है। यह हमें चुनौतियों से हार न मानने और लगातार प्रगति करने की प्रेरणा देता है। याद रखें, जीवन में कठिनाईयां आएंगी, पर सकारात्मक ऊर्जा और प्रेम की शक्ति उन्हें अवसर में बदल सकती है। जो लोग अपने जीवन में प्रेम और उत्साह के साथ आगे बढ़ते हैं, वे दूसरों के लिए प्रेरणा बनते हैं और अपने जीवन को सार्थक बना पाते हैं। इसलिए हर दिन को उत्साह, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा के साथ जीएं और अपने जीवन को एक सुंदर उदाहरण बनाइए।

शख्सियत

एल्विस प्रेस्ली

रॉक एंड रोल के अमर सम्राट

मूल्य उंगलियों के निशान की तरह होते हैं—किसी के भी एक जैसे नहीं होते, लेकिन आप जो कुछ भी करते हैं, उसमें वे झलकते हैं।

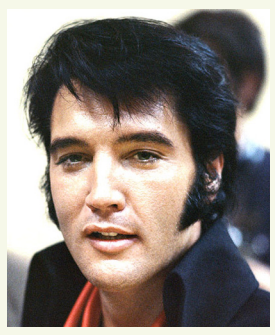

एल्विस एरन प्रेस्ली का जन्म 8 जनवरी 1935 को अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के ट्यूपेलो शहर में हुआ था। वे विश्व इतिहास के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली संगीत कलाकारों में से एक माने जाते हैं। उन्हें "किंग ऑफ़ रॉक एंड रोल" कहा जाता है। संगीत, नृत्य और मंच प्रस्तुति के क्षेत्र में उन्होंने ऐसी क्रांति लाई जिसने पूरी दुनिया की लोकप्रिय संस्कृति को बदल दिया। एल्विस का बचपन साधारण और संघर्षपूर्ण था। उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर था। बचपन से ही एल्विस को संगीत में गहरी रुचि थी। वे चर्च में गाए जाने वाले गीतों से बहुत प्रभावित हुए। उनकी माँ ग्लैडिस प्रेस्ली ने उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया। 11 वर्ष की उम्र में उन्हें पहला गिटार मिला, जिसने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। 1954 में एल्विस ने सन रिकॉर्ड्स में अपना पहला गीत रिकॉर्ड किया। उनका अनोखा गायन, ब्लूज़, कंट्री और गॉस्पेल संगीत का मिश्रण था। उनकी आवाज़ और मंच पर झूमता हुआ अंदाज़ युवाओं को दीवाना बना देता था। 1956 में आया गीत "Heartbreak Hotel" उन्हें रातों-रात स्टार बना गया। इसके बाद "Hound Dog", "Jailhouse Rock", "Love Me Tender" जैसे अनेक हिट गीत आए। एल्विस केवल गायक ही नहीं, बल्कि एक सफल अभिनेता भी थे। उन्होंने लगभग 33 फिल्मों में काम किया। यद्यपि उनकी फिल्मों को आलोचकों से मिश्रित प्रतिक्रिया मिली, लेकिन दर्शकों में उनकी लोकप्रियता कभी कम नहीं हुई। उनकी फिल्में और गीत युवाओं में नए फैशन, हेयरस्टाइल और जीवनशैली का प्रतीक बन गए। एल्विस प्रेस्ली ने अपने करियर में एक अरब से अधिक रिकॉर्ड बेचे, जो उन्हें दुनिया के सबसे अधिक बिकने वाले कलाकारों में शामिल करता है। उन्हें कई ग्रैमी पुरस्कार मिले और 36 बार उनके गीत टॉप-10 में शामिल हुए। उनका घर ग्रेसेलैंड आज भी एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। हालाँकि अपार सफलता के साथ उनका निजी जीवन कठिनाइयों से भरा रहा। अत्यधिक काम, तनाव और स्वास्थ्य समस्याओं ने उनके जीवन को प्रभावित किया। 16 अगस्त 1977 को मात्र 42 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु ने पूरी दुनिया को शोक में डुबो दिया। एल्विस प्रेस्ली आज भी करोड़ों लोगों के दिलों में जीवित हैं। उनका संगीत समय की सीमाओं से परे है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची प्रतिभा और मेहनत किसी भी साधारण व्यक्ति को असाधारण बना सकती है। एल्विस प्रेस्ली न केवल एक कलाकार थे, बल्कि एक युग थे, जो कभी समाप्त नहीं होगा।

जीवन ऊर्जा

स्टीफन हॉकिंग : जन्म 8 जनवरी 1942

जन्म

गलतियां ही खोज की नींव होती हैं

स्टीफन हॉकिंग एक महान ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी, ब्रह्मांड विज्ञानी और लेखक थे। उनका जन्म 8 जनवरी 1942 को इंग्लैंड में हुआ और 14 मार्च 2018 को उनका निधन हुआ।

गंभीर बीमारी के बावजूद उन्होंने ब्लैक होल, समय और ब्रह्मांड की उत्पत्ति पर अद्भुत कार्य किए। उनकी पुस्तक ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ टाइम ने विज्ञान को आम लोगों तक पहुंचाया। चाहे जिंदगी कितनी भी कठिन लगे, जब तक जीवन है, आशा है। बुद्धिमत्ता बदलाव के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता है। हम सभी अलग-अलग हैं, लेकिन हम सभी मानव हैं। मेरा लक्ष्य बहुत सरल है—ब्रह्मांड को समझना। अगर आप यह समझते हैं कि ब्रह्मांड कैसे काम करता है, तो आप उसे नियंत्रित कर सकते हैं। जीवन दुखद होता अगर यह मजेदार न होता। भले ही आपका शरीर सीमित हो, आपकी सोच नहीं। अतीत की यादों में मत उलझो, भविष्य को गढ़ने पर ध्यान दो। जब तक हम जिज्ञासु रहेंगे, हम जीवित रहेंगे। सबसे बड़ी दुश्मन अज्ञानता नहीं, बल्कि ज्ञान का भ्रम है। हम सिर्फ एक उन्नत बंदरों की नस्ल हैं, लेकिन हम ब्रह्मांड को समझ सकते हैं। शांत लोगों के पास सबसे तेज दिमाग होता है। मैंने कभी अपनी बीमारी को अपनी सफलता के

रास्ते में नहीं आने दिया। आश्चर्य करना ही विज्ञान की शुरुआत है। इंसान का भविष्य विज्ञान और तकनीक पर निर्भर है। अगर एलियंस पृथ्वी पर आए, तो परिणाम वही होगा जैसा कोलंबस के अमेरिका आने पर हुआ। गलतियां ही खोज की नींव होती हैं। अपने पैरों को नहीं, अपने दिमाग को देखो। सरलता ही सच्ची सुंदरता है। हार मत मानो—सोचते रहो।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जब विनाश अवश्यंभावी हो जाता है : महाभारत में धर्म और युद्ध का संदेश

जब-जब मानव जाति के विनाश का काल समीप आता है, तब-तब दुष्टों की दुष्टता बढ़ने लगती है। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि महाभारत जैसे महान ग्रंथ का गूढ़ सत्य है। उद्योगपर्व के 150वें अध्याय के 20वें श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को सर्वविनाश का स्पष्ट संकेत देते

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

हुए कहा—

"न ते राज्यं प्रयच्छन्ति विना युद्धेन पाण्डव।
विनाशहेतवे सर्वे प्रत्युपस्थितहेतवः॥"

इस श्लोक का अर्थ है— हे पाण्डव! अब बिना युद्ध के तुम्हें राज्य नहीं मिलेगा, क्योंकि विनाश के सभी कारण उपस्थित हो चुके हैं। महाभारत का युद्ध टालने के लिए धर्मराज युधिष्ठिर ने हर संभव प्रयास किया। द्रौपदी के अपमान से लेकर तेरह वर्षों के कठोर वनवास तक, उन्होंने कौरवों के असंख्य अत्याचार सहन किए। फिर भी वे नहीं चाहते थे कि युद्ध हो, क्योंकि युद्ध में जन-धन की अपार हानि होती है। इसी कारण उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को राजदूत बनाकर दुर्योधन के पास हस्तिनापुर भेजा। हस्तिनापुर में भीष्म, द्रोण, विदुर, गांधारी और स्वयं धृतराष्ट्र—सभी ने एक स्वर में कहा कि श्रीकृष्ण द्वारा लाए गए युधिष्ठिर के प्रस्ताव को स्वीकार कर लेना चाहिए। यहां तक कि धृतराष्ट्र ने दुर्योधन से स्पष्ट कहा कि यह राज्य वास्तव में पाण्डवों का है और वह अधर्म के मार्ग पर चल रहा है। किन्तु दुर्योधन की दुर्बुद्धि इतनी बढ़ चुकी थी कि उसने भगवान श्रीकृष्ण को ही बंदी बनाने का आदेश दे दिया। श्रीकृष्ण ने अपना विश्वरूप प्रकट कर उसे भयभीत भी किया, परंतु दुर्योधन का हठ तनिक भी नहीं टूटा। दुष्टता जब चरम पर पहुंच जाती है, तब वह विवेक और चेतावनी—दोनों को ठुकरा देती है। तब भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि अब यह निश्चित हो चुका है कि दुर्योधन और उसके अनुयायी बिना युद्ध के राज्य नहीं देंगे। विनाश के सभी कारण उपस्थित हो चुके हैं। अब शांति का कोई मार्ग शेष नहीं बचा। इस संसार का नियम है कि सज्जन स्वभाव से हिंसक नहीं होते। वे सहनशील, धर्मात्मा और त्यागी होते हैं। किंतु जब दुष्टों की दुष्टता असहनीय सीमा तक बढ़ जाती है, तब सज्जनों का धैर्य भी टूटता है। जो दुष्ट सज्जनों के धैर्य का सेतु भंग करते हैं, वे अंततः उसी क्रोधाग्नि में भस्म हो जाते हैं। मानव जाति का विनाश सज्जनों के कारण नहीं, बल्कि दुष्टों के दुराग्रह के कारण होता है। जब नाश के कारण स्वयं उपस्थित हो जाते हैं, तब कोई भी कितना ही बड़ा त्याग क्यों न कर ले, विनाश को रोका नहीं जा सकता। यही प्रकृति का नियम है, यही महाभारत का शाश्वत संदेश।

अपने विचार

अगर यह कार्रवाई अवैध ढांचों को हटाने के लिए की जा रही है तो यह ठीक है। लेकिन ऐसा लगता है कि बीजेपी सरकार एक खास धर्म को निशाना बना रही है। MCD या कोर्ट के आदेशों का पालन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ हिंसा करना सही नहीं है। अगर ये कार्रवाई दिन में होती तो लोगों के पास अपनी बात रखने का जरूरी दस्तावेज दिखाने का मौका होता।

-संदीप दीक्षित
नेता, कांग्रेस

अंबरनाथ में पार्टी से संबद्धता और चिह्नों को दरकिनार करते हुए अलग-अलग पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अंबरनाथ डेवलपमेंट फ्रंट बनाया है। स्थानीय स्तर पर शिंदे सेना के भ्रष्टाचार के खिलाफ साथ आए हैं। इसमें निर्दलीय भी शामिल हैं। कांग्रेस और भाजपा के साथ आने की खबरें गलत हैं। इस बात का ध्यान रखें।

-सचिन सावंत
नेता, कांग्रेस

कांग्रेस और AIMIM के साथ किसी भी तरह का गठबंधन बीजेपी की विचारधारा के खिलाफ है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय नेताओं ने जो भी किया है वह गलत है और उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

-देवेन्द्र फडणवीस
सीएम, महाराष्ट्र

एआईएमआईएम के चुनाव मैदान में उतरने के साथ ही प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों ने मतदाताओं के बीच नकद राशि बांटना शुरू कर दिया। अगर हमने उम्मीदवार नहीं उतारे होते, तो पैसा नहीं बांटा जाता...पैसा ले लीजिए और अगर आपको लगता है कि यह अनैतिक और 'हराम' (अवैध) है, तो इसका इस्तेमाल शौचालय बनाने में कीजिए।

-असदुद्दीन ओवैसी
अध्यक्ष, AIMIM

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

रोहा स्टेशन पर दिवा-सावंतवाड़ी एक्सप्रेस के समय सारिणी में संशोधन

मुंबई। मध्य रेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 10105/10106 दिवा-सावंतवाड़ी-दिवा एक्सप्रेस के रोहा स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान के समय में बदलाव किया गया है। यह संशोधित समय सारिणी 12 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगी। यात्रियों की सुविधा और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि कोंकण रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। संशोधित समय के अनुसार, ट्रेन संख्या 10105 (दिवा से सावंतवाड़ी) अब रोहा स्टेशन पर सुबह 8:50 बजे पहुँचेगी। वहीं, वापसी की दिशा में ट्रेन संख्या 10106 (सावंतवाड़ी से दिवा) शाम 17:05 (5:05 बजे) रोहा स्टेशन पहुँचेगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि दोनों ही दिशाओं में इस ट्रेन का रोहा स्टेशन पर 5 मिनट का ठहराव (Halt) सुनिश्चित किया गया है।

21 निर्विरोध सीटें देख विरोधियों के पेट में हो रहा है दर्द: सीएम फडणवीस

कल्याण। महाराष्ट्र की राजनीति में कल्याण-डोंबिवली का रण अब अपने चरम पर है। कल्याण पूर्व के खड़ेगोलवली में आयोजित एक भव्य चुनाव प्रचार सभा के दौरान राज्य के कद्दावर नेता और मुख्यमंत्री (उपमुख्यमंत्री के संदर्भ में लोकप्रिय संबोधन) देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका (केडीएमसी) के चुनावी समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि गठबंधन की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ 21 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल हुई है। फडणवीस ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह आंकड़ा देखकर विरोधियों के पेट में दर्द होना स्वाभाविक है, क्योंकि उन्हें अपनी हार स्पष्ट दिखाई दे रही है। अपने संबोधन में फडणवीस ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ मिलकर किए गए कार्यों का ब्यौरा जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि शिंदे सरकार और हमने मिलकर एम.एम.आर.डी.ए. (MMRDA) क्षेत्र के कायाकल्प के लिए 4 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं। पिछली सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 11 साल के शासन में मुंबई में मात्र 11 किलोमीटर मेट्रो का निर्माण किया, उनके मुकाबले हमारी सरकार ने 475 किलोमीटर लंबे मेट्रो नेटवर्क को मंजूरी देकर काम की गति को कई गुना बढ़ा दिया है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह विशाल मेट्रो नेटवर्क आने वाले समय में मुंबई और उपनगरों की लाइफलाइन बनेगा।

छोटे दलों को मिटाने की हो रही साजिश: प्रकाश आंबेडकर

मुंबई। वंचित बहुजन आघाडी के प्रमुख एडवोकेट प्रकाश आंबेडकर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि देश में छोटे और बड़े राजनीतिक दलों के अस्तित्व को समाप्त करने की एक सुनियोजित साजिश रची जा रही है। उन्होंने मतदाताओं को "लोकतंत्र के खतरे" के प्रति आगाह किया। आंबेडकर ने कहा कि वर्तमान समय में जिस तरह से निर्विरोध चुनाव और राजनीतिक गठबंधन सामने आ रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि भाजपा अन्य दलों को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक चर्चाओं और गठबंधनों के दौरान दबाव और ब्लैकमेलिंग का खेल तेजी से बढ़ा है। प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि यदि राजनीतिक दल ही नहीं बचेंगे, तो जनता की समस्याओं को उठाने वाला कोई नहीं रहेगा। उन्होंने इसे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा वर्णित "ग्रामर ऑफ अनार्की" यानी अराजकता के व्याकरण की ओर बढ़ता कदम बताया। उन्होंने नागपुर के मतदाताओं से अपील की कि लोकतंत्र को बचाने के लिए भाजपा को वोट न दें।

छठी लाइन के लिए 30 दिनों का मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे ने कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को अंतिम रूप देने के लिए एक व्यापक ब्लॉक की योजना बनाई है। यह ब्लॉक 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से शुरू होकर 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इस 30 दिवसीय कार्य अवधि के दौरान बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नई लाइन को मौजूदा नेटवर्क से जोड़ने के लिए विभिन्न तकनीकी कार्य किए जाएंगे। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इस लंबी अवधि के ब्लॉक के कारण उपनगरीय और लंबी दूरी की ट्रेन सेवाओं के समय में काफी बदलाव किया गया है।

कांदिवली स्टेशन पर मेजर ब्लॉक का समय

निर्माण कार्य के तहत 09/10 जनवरी और 10/11 जनवरी, 2026 की रातों को विशेष मेजर ब्लॉक लिए जाएंगे। 9 जनवरी की रात कांदिवली स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर रात 23:15 से 03:15 बजे तक और डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 से 04:30 बजे तक काम होगा। वहीं, 10 जनवरी की रात को कांदिवली और मालाड के बीच पॉइंट इंसर्शन के लिए अप-डाउन फास्ट लाइनों पर 05:30 घंटे का ब्लॉक (01:00 से 06:30 बजे तक) रहेगा। इस दौरान अप स्लो लाइन पर भी 01:00 से 04:00 बजे तक परिचालन बंद रहेगा।

शॉर्ट टर्मिनेट और ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें

इस ब्लॉक के कारण कई महत्वपूर्ण ट्रेनें अपने गंतव्य से पहले ही समाप्त (Short Terminate) कर दी जाएंगी। 10 जनवरी को चलने वाली नंदुरबार–बोरीवली एक्सप्रेस (19426) और अहमदाबाद–बोरीवली एक्सप्रेस (19418) बोरीवली के बजाय वसई रोड पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। इसी तरह, 11 जनवरी को बोरीवली–अहमदाबाद एक्सप्रेस (19417) और बोरीवली–नंदुरबार एक्सप्रेस (19425) बोरीवली के स्थान पर वसई रोड से अपनी यात्रा शुरू (Short Originate) करेंगी। इससे बोरीवली की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त वैकल्पिक साधनों का उपयोग करना होगा।

मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का समय और री-शेड्यूलिंग

मेजर ब्लॉक के चलते कई प्रमुख ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव किया गया है। 10 जनवरी को अहमदाबाद–दादर एक्सप्रेस 20 मिनट और वेरावल–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 45 मिनट की देरी से रवाना होंगी। वहीं, 11 जनवरी को मुंबई सेंट्रल–अहमदाबाद एक्सप्रेस 30 मिनट की देरी से (सुबह 06:10 बजे) और बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर एक्सप्रेस 1 घंटा री-शेड्यूल होकर सुबह 06:10 बजे प्रस्थान करेगी। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले संशोधित समय सारिणी की जांच अवश्य कर लें।

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत टॉयलेट डीप क्लीन ड्राइव

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–2026 के अंतर्गत ठाणे मनपा सीमा के नौपाड़ा-कोपरी, वागले और उथलसर प्रभाग समितियों में आज व्यापक पब्लिक टॉयलेट सफाई अभियान 'टॉयलेट डीप क्लीन ड्राइव' चलाया गया। मनपा आयुक्त सौरभ राव के आदेश पर और अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे के निर्देशानुसार यह अभियान सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित किया गया। उपायुक्त मधुकर बोडके के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक शौचालयों की डीप क्लीनिंग, डिसइंफेक्शन और ब्यूटीफिकेशन कर नागरिकों के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाना है।

75 सार्वजनिक शौचालयों की गहन सफाई, 250 कर्मचारी शामिल

अभियान के तहत तीनों प्रभाग समितियों में 25-25 कुल 75 सार्वजनिक शौचालयों और आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। दुर्गंध, कचरा, जमी गंदगी और दाग-धब्बों को हटाने के बाद फाइलेरिया विभाग द्वारा कीटाणुनाशक का छिड़काव किया गया। सफाई के लिए एसटीपी कोपरी से प्राप्त शुद्ध पानी का उपयोग किया गया, जिससे ताजे पानी की बचत हुई। प्रत्येक वार्ड में जेटिंग मशीनों की तैनाती कर हाई-प्रेशर सफाई की गई। इस अभियान में शयुराज कांबले, पंजाबराव कवले, सैनिटेशन इंस्पेक्टर लक्ष्मण पुरी सहित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विभाग के करीब 250 कर्मचारियों ने भाग लिया। मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक शौचालयों को स्वच्छ रखें और शहर की सफाई में सहयोग करें, क्योंकि स्वच्छता हर नागरिक का कर्तव्य है।

'मतदान अधिकार' ऐप में सुधार की मांग

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे मनपा के अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे ने राज्य चुनाव आयोग को पत्र लिखकर 'मतदान अधिकार' मोबाइल ऐप में सुधार करने का आग्रह किया है। वर्तमान में यह ऐप मतदाताओं को वार्ड नंबर, बूथ नंबर और मतदाता सूची का भाग (Part Number) खोजने में मदद करता है, लेकिन इसमें मतदाता की क्रम संख्या (Serial Number) प्रदर्शित नहीं होती है। प्रशासन का तर्क है कि यदि ऐप में सीरियल नंबर भी दिखने लगे, तो मतदान के दिन बूथ पर मौजूद अधिकारी को पूरी सूची खंगालने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। इससे न केवल अधिकारियों का समय बचेगा, बल्कि मतदान केंद्रों पर लगने वाली लंबी कतारों और प्रक्रिया में होने वाली देरी को भी कम किया जा सकेगा।

डिजिटल तकनीक से मतदान प्रक्रिया में सुगमता

आगामी मनपा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, राज्य चुनाव आयोग का यह ऐप डिजिटल तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता और तेज़ी लाने का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है। मतदाता इस ऐप के ज़रिए घर बैठे अपने पोलिंग स्टेशन की सटीक लोकेशन और अपनी मतदाता जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। ठाणे मनपा का मानना है कि सीरियल नंबर के प्रोविजन से यह ऐप और अधिक सटीक हो जाएगा, जिससे मतदाता को अपनी पहचान पुख्ता करने में आसानी होगी और पीठासीन अधिकारियों के लिए चुनावी कामकाज सरल हो जाएगा। इस सुधार से पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और तकनीक-आधारित बनेगी, जिससे भविष्य में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

रंगोली पेंटिंग के माध्यम से मतदाताओं को किया गया जागरूक

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मनपा के आगामी आम चुनावों की पृष्ठभूमि में स्वीप मतदान जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के विभिन्न स्कूलों में रंगोली, पेंटिंग, निबंध और स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोकतंत्र में मतदान के महत्व को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। मतदान प्रतिशत बढ़ाने और अधिक से अधिक नागरिकों को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के उपयोग के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ठाणे मनपा द्वारा लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जो आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव तथा स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती के मार्गदर्शन में शहरभर में प्रतिदिन संचालित हो रहा है।

रंगोली, निबंध व चित्रकला से दिया मतदान का संदेश

मनपा स्कूल क्रमांक 56, ओवाला में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने "मतदान हमारा अधिकार और फ़र्ज़ है" का संदेश रंग-बिरंगी रंगोलियों के माध्यम से दिया। वहीं वार्ड क्रमांक 27 और 28 के अंतर्गत एस. एम. जी. विद्यालय, दिवा स्टेशन (पूर्व) में निबंध, चित्रकला और नारा प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यालय के प्राचार्य अनंत धडवे, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वीप टीम प्रमुख सचिन वैदंडे, मच्छिंद्र मुंडे, गिरीश शेलार, शिवा सांगले, निवृत्ति जाधव सहित पूरी टीम मौजूद रही। इसके अलावा वागले प्रभाग समिति के अंतर्गत श्रीनगर व शांतिनगर क्षेत्रों के वार्ड 16, 17 और 18 के स्कूलों में रंगोली प्रतियोगिताओं तथा सहकारी बैंकों में जाकर नागरिकों से मतदान की अपील की गई। लोकमान्य वार्ड समिति के तहत मनपा स्कूल क्रमांक 120, सावरकर नगर और ज्ञानोदय विद्यालय में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों में मतदान के प्रति सकारात्मक जागरूकता पैदा कर लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दौंड-काष्टी स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य शुरु

▶▶ सोलापुर मंडल के स्टेशनों से गुजरने वाली ट्रेनों पर असर

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

दौंड-मनमाड सेक्शन के अंतर्गत दौंड-काष्टी स्टेशनों के बीच रेलवे पटरियों के दोहरीकरण का कार्य शुरू किया गया है। मध्य रेलवे द्वारा इस बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगाए गए 'ट्रैफिक ब्लॉक' के कारण सोलापुर मंडल से गुजरने वाली रेल सेवाओं पर व्यापक असर पड़ेगा। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने ट्रेनों के रद्दीकरण, मार्ग परिवर्तन और समय में बदलाव की विस्तृत सूची जारी की है।

प्रमुख एक्सप्रेस और डेमू ट्रेनों का रद्दीकरण

दोहरीकरण कार्य के चलते जनवरी माह में कई महत्वपूर्ण ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी। सोलापुर-दौंड DEMU स्पेशल और पुणे-सोलापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस जैसी दैनिक सेवाएं 4 जनवरी से 25 जनवरी 2026 के बीच विभिन्न तिथियों पर उपलब्ध नहीं होंगी। इसके अलावा, हुतात्मा एक्सप्रेस और पनवेल-नांदेड़ एक्सप्रेस जैसी प्रमुख गाड़ियां भी 24 और 25 जनवरी को निरस्त कर दी गई हैं, जिससे पुणे और सोलापुर के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों को असुविधा हो सकती है।

ट्रेनों का पुनर्निर्धारण और देरी की संभावना

ट्रैफिक ब्लॉक के कारण कई ट्रेनों के समय में बदलाव (Re-scheduling) किया गया है। विशाखापत्तनम एक्सप्रेस और उद्यान एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां अपने निर्धारित समय से 1 से 4:30 घंटे की देरी से रवाना होंगी। इसके साथ ही साईंनगर शिरडी-चेन्नई सेंट्रल और अहमदाबाद-यशवंतपुर एक्सप्रेस के समय में भी 2 से 3 घंटे का परिवर्तन किया गया है। यह व्यवस्था 15 जनवरी से 25 जनवरी के बीच अलग-अलग तारीखों पर लागू रहेगी ताकि निर्माण कार्य के साथ-साथ परिचालन भी बना रहे।

वैकल्पिक मार्गों से चलने वाली ट्रेनें

रेलवे ने ब्लॉक के दौरान रेल यातायात को सुचारू रखने के लिए कुछ लंबी दूरी की ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन (Diversion) किया है। उदाहरण के लिए, तिरुवनंतपुरम-मुंबई एक्सप्रेस और उद्यान एक्सप्रेस को 24 जनवरी को कुर्दुवाडी-मिराज-पुणे के वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा। वहीं, हुबली-हजरत निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस को सोलापुर-लातूर-परभणी-मनमाड के रास्ते डायवर्ट किया गया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा पर निकलने से पहले अपने रूट की पुन: जांच कर लें।

सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 के लिए रेलवे की व्यापक तैयारी

डीबीडी संवाददाता | भुसावल

अनुमानित 2 से 3 करोड़ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को संभालने के लिए भुसावल मंडल ने एक सूक्ष्म और समेकित योजना तैयार की है। यह संख्या 2015 के कुंभ की तुलना में लगभग 50 गुना अधिक है, जिसके कारण रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। इसके तहत सिविल, ट्रैक, और सिग्नलिंग कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। पीक ट्रैफिक के दौरान सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए 'नॉन-इंटरलॉकिंग' और 'इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग' जैसी उन्नत प्रणालियों को समयबद्ध तरीके से स्थापित किया जा रहा है ताकि परिचालन में कोई बाधा न आए।

सक्रिय नेतृत्व और प्रशासनिक समन्वय

इस पूरी परियोजना की निगरानी मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल और उनकी समर्पित टीम द्वारा साप्ताहिक निरीक्षणों के माध्यम से की जा रही है। रेल प्रशासन और राज्य सरकार के बीच निरंतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि नागरिक सुविधाओं और सुरक्षा मानकों में कोई कमी न रहे। वरिष्ठ मंडल अभियंता (कुंभ) के नेतृत्व में एक विशेष टीम रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर रही है, जो भारतीय रेलवे की विश्वस्तरीय और श्रद्धालु-अनुकूल सेवाएं प्रदान करने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रमुख स्टेशनों का कायाकल्प और यात्री सुविधाएं

स्टेशन विकास योजना के अंतर्गत देवलाली, नासिक रोड, ओढा, कसबे सुकणे और खेरवाड़ी जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर व्यापक सुधार कार्य चल रहे हैं। नासिक रोड स्टेशन पर नए फुट ओवर ब्रिज और बड़े होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं, जबकि देवलाली और खेरवाड़ी में अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और यार्ड रिमॉडलिंग का काम प्रगति पर है। इन सभी स्टेशनों पर यात्रियों के ठहरने के लिए समर्पित 'होल्डिंग एरिया' विकसित किए जा रहे हैं, जो भीड़ प्रबंधन (Crowd Management) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

वृष पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी।

कर्क अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

सिंह वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें।

तुला स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शरीर साथ नहीं देगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी।

धनु परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश में विवेक का प्रयोग करें। धनार्जन होगा।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें। शारीरिक कष्ट के योग हैं।

कुंभ धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

मीन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा।

गुरु ग्रह और उससे उत्पन्न होने वाले रोग: ज्योतिषीय दृष्टि से विस्तृत विवेचना

गुरु एक आकाश तत्वीय ग्रह है। हमारे शरीर में गुरु का संबंध चरबी, उदर, यकृत, त्रिदोषों में विशेष रूप से कफ, तथा रक्त वाहिनियों से माना गया है। ज्योतिष में गुरु को संतानकारक ग्रह भी कहा गया है। जिन जातकों की कुंडली में गुरु शुभ और बलवान स्थिति में होता है, वे सामान्यतः इन रोगों से दूर रहते हैं। ऐसे व्यक्ति विचारों में श्रेष्ठ, शारीरिक रूप से हृष्ट-पुष्ट और मानसिक रूप से अत्यंत सुदृढ़ होते हैं। इसके विपरीत यदि कुंडली में गुरु पापी हो या किसी पाप ग्रह से पीड़ित हो, तो जातक को कर्ण व दंत रोग, अस्थि मज्जा विकार, वायु विकार, अचानक मूर्छा, ज्वर, आंतों की शल्य क्रिया, रक्त विकार, मानसिक कष्ट तथा ऊँचे स्थान से गिरने का भय बना रहता है। सामान्यतः ये रोग गुरु के चौथे, छठे, आठवें अथवा बारहवें भाव में स्थित होने पर अथवा गोचर के दौरान इन भावों में आने पर प्रकट होने की संभावना अधिक होती है। फिर

प्रियंका जैन
9769994439

भी यह मान लेना उचित नहीं कि केवल गुरु के पापी होने से ही निश्चित रूप से यही रोग होंगे। रोगों का निर्धारण करते समय यह देखना भी आवश्यक है कि गुरु किस भाव में और किस राशि में स्थित है, साथ ही अन्य ग्रहों के योग भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं।

मेष राशि में गुरु के होने पर जातक को सिर से संबंधित रोग अधिक होते हैं। यदि इस स्थिति में गुरु पर मंगल या केतु की दृष्टि हो, तो किसी दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट का योग बन सकता है। वृषभ राशि में गुरु होने पर मुख, कंठ, श्वसन तंत्र और आहार नली से जुड़े संक्रमण का भय रहता है। यदि गुरु इस राशि में लग्न भाव में हो, तो व्यक्ति को उदर विकार तथा जीवनसाथी को मूत्र संस्थान से संबंधित संक्रमण की संभावना रहती है। अनुभव में यह भी देखा गया है कि इस राशि में गुरु पीड़ित हो या न हो, वाणी विकार और मुख रोग देता ही है। मिथुन राशि में गुरु व्यक्ति के कंधों और भुजाओं में कष्ट देता है। यदि बुध भी पीड़ित हो, तो त्वचा और रक्त विकार की संभावना बढ़ जाती है। किसी पाप ग्रह की दृष्टि या युति होने पर 32वें वर्ष में दुर्घटना द्वारा हाथ में गंभीर क्षति का योग भी बन सकता है, बशर्ते गुरु अत्यधिक पीड़ित हो और बुध लग्नेश न हो। कर्क राशि में गुरु फेफड़ों, छाती और पाचन क्रिया को प्रभावित करता है। यदि गुरु और चंद्र दोनों पीड़ित हों तथा चतुर्थ भाव या उसका स्वामी भी कमजोर हो, तो कम आयु में ही उच्च रक्तचाप और हृदयाघात का योग बनता है। कर्क लग्न होने पर मानसिक कष्ट अधिक रहता है। गर्मी के मौसम में जल की कमी से ऐसे जातकों को अस्पताल तक जाना पड़ सकता है, इसलिए जल सेवन विशेष रूप से आवश्यक होता है। सिंह राशि में गुरु उदर विकार के साथ हृदय से संबंधित समस्याओं का भय देता है और गर्मी के मौसम में मूर्छा जैसी स्थिति बन सकती है। कन्या राशि में गुरु आंतों के संक्रमण और पेट में जलन को बढ़ाता है। मंगल की दृष्टि होने पर आंतों की शल्य क्रिया या एपेंडिक्स ऑपरेशन की संभावना रहती है। गुरु के साथ शुक्र होने पर नपुंसकता या शीघ्रपतन का भय रहता है, जबकि शनि की दृष्टि होने पर भी ये रोग उत्पन्न होते हैं। तुला राशि में गुरु मूत्र विकार, जनन अंग, गुदा रोग और कमर दर्द देता है। शीघ्रपतन की समस्या भी अधिक देखी जाती है। इस राशि में गुरु यदि अत्यधिक बलवान हो तो रोगों की संभावना बढ़ती है। यदि लग्न भी तुला हो, तो गुरु का कमजोर होना ही जातक के लिए लाभदायक माना गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

माघ की सर्दी में बेघर हो गए तीन परिवार

उत्तरकाशी। जिले के मोरी विकासखंड स्थित गुराड़ी गांव में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। आग की चपेट में आकर तीन परिवारों के मकान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए, जबकि हादसे में 14 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब सवा पांच बजे गुराड़ी गांव में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और राजस्व विभाग, फायर सर्विस, एसडीआरएफ, पुलिस, पशुपालन विभाग तथा 108 एंबुलेंस सेवा की टीमें तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना की गईं। दमकल कर्मियों, राहत टीमों और स्थानीय ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह साढ़े सात बजे आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक तीनों आवासीय भवन पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे और पशुशालाओं में बंधे मवेशियों को बचाया नहीं जा सका। तहसीलदार मोरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक पीड़ित परिवार को कंबल, तिरपाल और 5,000 रुपये की नगद सहायता प्रदान की गई है। साथ ही नुकसान का आकलन कर आगे की सहायता की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में BHU के आयुर्वेद शोधार्थी का परचम

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अकादमिक क्षमता का प्रभावशाली परिचय दिया है। संकाय के द्रव्यगुण विभाग में कार्यरत जूनियर रेजिडेंट डॉ. विष्णु दर्शन को राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में उत्कृष्ट शोध प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया है। यह उपलब्धि उन्हें विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. बिनय सेन के शैक्षणिक मार्गदर्शन में प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यह सम्मान केरल के त्रिशूर स्थित वैद्यरत्नम आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रदान किया गया। कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित इस संगोष्ठी का विषय "साक्ष्य 2026 – एविडेंस बेस्ड आयुर्वेदः लेट एविडेंस लीड" रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयुर्वेद) एवं भारत सरकार के डीजीएचएस (आयुष) के महानिदेशक डॉ. रघु अरक्कल ने किया। संगोष्ठी के अंतर्गत आयोजित ऑनलाइन वैज्ञानिक सत्रों में देश के 17 राज्यों से आए प्रतिभागियों द्वारा 250 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। 5 जनवरी को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. विष्णु दर्शन की वैज्ञानिक प्रस्तुति को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया। द्रव्यगुण विभाग के आचार्यों और संकाय सदस्यों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बीएचयू के आयुर्वेदिक शोध की गुणवत्ता का प्रमाण बताया और डॉ. विष्णु दर्शन को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्थाई आय का जरिया बनेगी स्मार्ट सड़क

मुख्यमंत्री ने किया सीएम ग्रिड योजना की स्मार्ट सड़क का निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता | गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राप्तीनगर में सीएम ग्रिड (चीफ मिनिस्टर ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) योजना के तहत निर्मित स्मार्ट सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण गुणवत्ता और आधुनिक सुविधाओं पर संतोष जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल यातायात सुविधा को बेहतर बनाएगी, बल्कि नगर निगम के लिए नियमित आय का सशक्त माध्यम भी सिद्ध होगी। निरीक्षण के समय मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त से सड़क की संरचना, पार्किंग व्यवस्था, बैठने की सुविधाएं, हरित पट्टी, तकनीकी निर्माण प्रक्रिया और यूटिलिटी डक्ट से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। नगर आयुक्त ने बताया कि राप्तीनगर की यह स्मार्ट सड़क पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित की गई है।

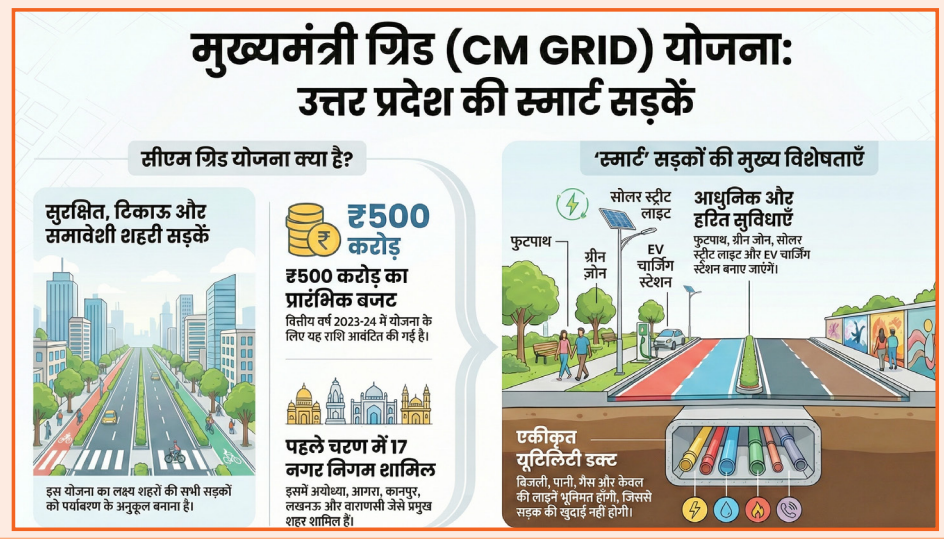

जरूरत पर बार-बार नहीं खोदनी पड़ेगी सड़क

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि स्मार्ट सड़क में आधुनिक स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट प्रणाली के साथ भूमिगत यूटिलिटी डक्ट की व्यवस्था की गई है। इससे भविष्य में बिजली, गैस या अन्य सेवाओं की पाइपलाइन बिछाने के लिए बार-बार सड़क खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि यूटिलिटी डक्ट का उपयोग करने वाली एजेंसियां नगर निगम को निर्धारित शुल्क देंगी, जिससे निगम को प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है।

शहरी विकास के लिए साबित होगी मॉडल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे मॉडल सड़क बताते हुए कहा कि यह परियोजना शहरी निकायों की आर्थिक क्षमता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि जब शासन, प्रशासन और जनता मिलकर कार्य करते हैं, तो शहर, जनपद और प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छूते हैं। गोरखपुर में चल रहे विकास कार्य इसी सामूहिक प्रयास का परिणाम हैं।

मतदाता सूची से कांग्रेस नेता और उनके परिवार का नाम गायब

ड्राफ्ट सूची में नाम कटने पर कांग्रेस नेता ने लगाया आरोप

नोएडा। ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना और परिवार के सदस्यों का नाम न होने को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से आरोप लगाया कि बिना किसी सूचना के उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। हालांकि इस मामले में निर्वाचन आयोग ने हस्तक्षेप करते हुए बीएलओ की कार्रवाई को नियमसम्मत बताया है। कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया कि उनका और उनके परिवार का नाम उत्तर प्रदेश की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से गायब है, जबकि वे वर्ष 2003 से मतदाता सूची में दर्ज रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उनके माता-पिता के नाम भी उसी अवधि की मतदाता सूची में शामिल थे और नियमानुसार आवश्यक दस्तावेज पहले ही उपलब्ध कराए जा चुके थे।

क्षेत्र बदलने पर स्थानांतरित हुआ नाम

अपनी ही पोस्ट में सप्पल ने बाद में यह स्पष्ट किया कि उनका निवास पहले गाजियाबाद के साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में था, जहां से वे हाल ही में नोएडा विधानसभा क्षेत्र में स्थानांतरित हुए हैं। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान स्थान बदले गए मतदाताओं के नाम पुरानी विधानसभा क्षेत्र की सूची से हटाए जाने का प्रावधान है। उनका कहना था कि इस प्रक्रिया के चलते उनके जैसे बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम कट गए हैं। उन्होंने चिंता जताई कि सभी लोग दोबारा नाम जुड़वाने की प्रक्रिया पूरी कर पाएंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल है।

नियमानुसार हटाया गया नाम : आयोग

मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से प्रतिक्रिया देते हुए स्थिति स्पष्ट की गई। आयोग ने कहा कि गाजियाबाद से नोएडा स्थानांतरण के कारण बीएलओ द्वारा मतदाता सूची से नाम हटाना नियमानुसार कार्रवाई है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि गुरदीप सिंह सप्पल सहित उनके परिवार के सदस्यों को गौतम बुद्ध नगर जिले की मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरना होगा। आयोग ने दोहराया कि यही प्रक्रिया समान स्थिति में अन्य सभी मतदाताओं के लिए भी लागू है।

प्रयागराज रेल मंडल ने ढोया 5.62 मिलियन टन माल

प्रयागराज। चालू वित्त वर्ष में प्रयागराज रेल मंडल ने माल ढुलाई और राजस्व अर्जन के क्षेत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन दर्ज किया है। मंडल प्रशासन के सुव्यवस्थित प्रबंधन और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों के चलते माल लदान में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ आय में भी निरंतर बढ़ोतरी हुई है। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स) अतुल यादव के मार्गदर्शन में सीमेंट, खाद्यान्न, उर्वरक, खाद्य तेल, स्टोन, फ्लाई ऐश सहित विविध वस्तुओं के परिवहन पर विशेष फोकस किया गया। औद्योगिक इकाइयों, व्यापार संगठनों और लॉजिस्टिक भागीदारों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी जरूरतों के अनुरूप रेल परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे न केवल मौजूदा ग्राहकों का भरोसा मजबूत हुआ बल्कि नए ग्राहकों को भी रेल नेटवर्क से जोड़ा जा सका। जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह के अनुसार, दिसंबर माह में मंडल ने 0.77 मिलियन टन माल का लदान कर 80.26 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष के दिसंबर की तुलना में माल ढुलाई में 26.18 प्रतिशत और आय में 15.35 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

पटना उच्च न्यायालय को मिला नया नेतृत्व

न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू ने संभाला मुख्य न्यायाधीश पद

पटना। पटना उच्च न्यायालय को बुधवार को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया। नव नियुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू ने बिहार लोक भवन में आयोजित गरिमामय समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के समक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ के साथ ही वे पटना हाई कोर्ट के 47वें मुख्य न्यायाधीश बन गए। शपथग्रहण उपरांत न्यायमूर्ति साहू ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने पूर्व मुख्य न्यायाधीश पी.बी. बजंथ्री के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। इससे पूर्व न्यायमूर्ति सुधीर सिंह कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायालय का दायित्व निभा रहे थे। समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी सहित उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रशासनिक अधिकारी और अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू की नियुक्ति की प्रक्रिया दिसंबर माह में पूरी हुई थी। उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम ने 18 दिसंबर 2025 को उनके नाम की अनुशंसा की थी, जिसे राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय ने अधिसूचित किया। वर्ष 1964 में जन्मे न्यायमूर्ति साहू ने ओडिशा में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की।

युवक की हत्या कर गोमती नदी में फेंका शव

गोताखोरों ने बरामद किया शव, मामूली विवाद में हत्या की आशंका

अमेठी। जिले के शुकुल बाजार थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की निर्मम हत्या कर शव को गोमती नदी में फेंक दिए जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना खेमऊ ग्राम सभा के पूरे मल्हान गांव की है, जहां बुधवार को पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से नदी से शव बरामद किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतक की पहचान 45 वर्षीय रमेश कुमार मल्लाह के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि रमेश मंगलवार रात पास के गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। कार्यक्रम के दौरान वह कुछ परिचितों के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो बाद में हिंसक रूप ले बैठा। आशंका जताई जा रही है कि नशे की हालत में हुए झगड़े के बाद अज्ञात लोगों ने रमेश की हत्या कर उसका शव नदी में ठिकाने लगा दिया।

नदी किनारे मिला सूखा हुआ खून, चप्पल

बुधवार सुबह ग्रामीणों को गोमती नदी के किनारे खून के धब्बे और एक चप्पल दिखाई दी, जिससे किसी गंभीर घटना की आशंका हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाकर नदी में तलाश शुरू कराई। कुछ ही देर बाद शव बरामद कर लिया गया। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों और परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मृतक ऑटो चालक था और उसकी किसी से कोई पुरानी रंजिश सामने नहीं आई है। परिजनों की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है।

व्यापार जगत

मॉडर्न डाइग्नॉस्टिक के निवेशकों को पहले ही दिन मिला फायदा

सकारात्मक लिस्टिंग से दिन के अंत तक मिला पांच फीसद का रिटर्न

नई दिल्ली। पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान करने वाली मॉडर्न डाइग्नॉस्टिक एंड रिसर्च सेंटर ने शेयर बाजार में कदम रखते ही निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया। कंपनी के शेयरों ने बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर प्रीमियम के साथ शुरुआत की, जिससे IPO में निवेश करने वालों को पहले ही दिन लाभ मिला। आईपीओ के तहत 90 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर जारी किए गए शेयरों की लिस्टिंग 99.50 रुपये पर हुई, जो करीब 10.5 प्रतिशत का प्रीमियम दर्शाती है। हालांकि, लिस्टिंग के बाद मुनाफावसूली के दबाव में शेयरों में नरमी देखी गई और कारोबार के अंत में यह 94.53 रुपये पर बंद हुए। इस तरह दिन के अंत तक निवेशकों को लगभग 5 प्रतिशत का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। 36.89 करोड़ रुपये के इस आईपीओ को निवेशकों से असाधारण प्रतिक्रिया मिली थी। 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक खुले इस निर्गम को कुल मिलाकर करीब 377 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ। संस्थागत निवेशकों के हिस्से में लगभग 193 गुना, गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए 700 गुना से अधिक और खुदरा निवेशकों के कोटे में 340 गुना से ज्यादा आवेदन आए। इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 40.99 लाख नए शेयर जारी किए हैं। कंपनी ने आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद, मौजूदा कर्ज के आंशिक भुगतान, कार्यशील पूंजी की जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करने की योजना बनाई है।

राजस्व में दो अंकों की बढ़ोत्तरी

वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो कंपनी की स्थिति में बीते कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 में घाटे में रही कंपनी ने 2023-24 में मुनाफे में वापसी की और 2024-25 में लाभ में और तेजी आई। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भी कंपनी ने लाभ दर्ज किया है, जबकि राजस्व में दो अंकों की वार्षिक वृद्धि बनी हुई है।

श्रम संहिताओं से मजबूत होगी खदान श्रमिकों की सुरक्षा: करंदलाजे

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा है कि श्रम संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन और आधुनिक तकनीक के उपयोग से खनन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि खदानों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए देशभर में एकरूप सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक है। धनबाद स्थित खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के 125वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि डीजीएमएस की डेढ़ सदी के करीब की यात्रा खनन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों और श्रमिकों के समर्पण, अनुशासन और योगदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले कर्मियों के प्रयासों ने खनन गतिविधियों को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। शोभा करंदलाजे ने खदानों में समान सुरक्षा मानकों को लागू कराने में डीजीएमएस की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन ही दुर्घटनाओं को रोकने का प्रभावी माध्यम है।

संहिता में 29 पुराने कानूनों का एकीकरण

श्रम सुधारों पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि चार नई श्रम संहिताओं के माध्यम से 29 पुराने कानूनों का एकीकरण किया गया है, जिसका उद्देश्य सभी श्रमिकों, विशेषकर संविदा श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है। उन्होंने डीजीएमएस से इन संहिताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और तकनीकी नवाचारों के जरिए खान सुरक्षा को और बेहतर बनाने का आह्वान किया। मंत्री ने मंत्रालय की ओर से डीजीएमएस को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में डीजीएमएस के महानिदेशक उज्ज्वल ताह, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की संयुक्त सचिव दीपिका कच्छल सहित खनन उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, प्रतिनिधि और अन्य हितधारक उपस्थित रहे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 1902 में स्थापित डीजीएमएस देश में खान सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों के नियमन में लगातार अहम भूमिका निभाता आ रहा है।

वित्तीय सेहत: GDP वृद्धि 7.4% रहने का अनुमान

बीते वित्तीय वर्ष के मुकाबले 6.5 फीसदी अधिक रहेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत देते हुए केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह अनुमान बीते वित्त वर्ष 2024-25 की 6.5 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले अधिक है और आर्थिक गतिविधियों में मजबूती की ओर इशारा करता है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी अग्रिम अनुमानों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों में लगभग सात प्रतिशत की वृद्धि संभावित है। वहीं वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है, जिसमें सेवा क्षेत्र की भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है।

आठ फीसद की दर से वृद्धि संभव

आंकड़ों के मुताबिक कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के साथ-साथ बिजली, गैस, जल आपूर्ति और अन्य जनोपयोगी सेवाओं में वृद्धि की रफ्तार अपेक्षाकृत संतुलित रहने की संभावना है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा कीमतों पर देश की जीडीपी 2025-26 में करीब आठ प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आय से जुड़े ये अग्रिम अनुमान आगामी केंद्रीय बजट की आधारशिला होते हैं।

यजुर फाइबर्स का 120 करोड़ रुपये का IPO खुला,नौ जनवरी तक निवेश का अवसर

नई दिल्ली। फाइबर प्रोसेसिंग क्षेत्र की कंपनी यजुर फाइबर्स ने बुधवार को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खोल दिया। 120.41 करोड़ रुपये के इस इश्यू में 9 जनवरी तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ बंद होने के बाद 12 जनवरी को शेयरों का आवंटन प्रस्तावित है, जबकि 13 जनवरी को शेयर निवेशकों के डीमैट खातों में जमा किए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 168 से 174 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। एक लॉट में 800 शेयर रखे गए हैं। रिटेल निवेशकों को न्यूनतम दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा, जिसके लिए करीब 2.78 लाख रुपये का निवेश आवश्यक है। इस इश्यू के तहत 10 रुपये अंकित मूल्य वाले कुल 69.20 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। शेयरों के आवंटन में रिटेल निवेशकों के लिए 65.87 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित किया गया है, जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए 28.20 प्रतिशत, क्यूआईबी के लिए 0.92 प्रतिशत और मार्केट मेकर के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रखा गया है। इश्यू के लिए हॉरिजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर है, एमएएस सर्विसेज लिमिटेड रजिस्ट्रार की भूमिका निभा रही है और गिरीराज स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड मार्केट मेकर है।

लगातार बढ़ रहा कंपनी का प्राफिट

वित्तीय मोर्चे पर कंपनी के प्रदर्शन में बीते वर्षों में तेजी देखने को मिली है। डीआरएचपी के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का शुद्ध लाभ 3.55 करोड़ रुपये रहा, जो 2023-24 में बढ़कर 4.27 करोड़ रुपये और 2024-25 में 11.68 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष में 30 नवंबर 2025 तक कंपनी 7.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज कर चुकी है। इसी अवधि में कंपनी का राजस्व भी लगातार बढ़ा है, जो 2022-23 में 61.84 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 141.99 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के कर्ज और रिजर्व में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। जहां कर्ज 2024-25 में बढ़कर 66.18 करोड़ रुपये हो गया, वहीं 30 नवंबर 2025 तक यह 73.59 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। दूसरी ओर रिजर्व और सरप्लस 2022-23 के 28.65 करोड़ रुपये से बढ़कर मौजूदा वित्त वर्ष में 40.56 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। EBITDA में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो 2024-25 में 18.85 करोड़ रुपये रहा।

आवारा कुत्तों पर 'सुप्रीम' सुनवाई

कुत्तों के चलते लोग कब तक परेशानी झेलेंगे : सुको

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने देश की सड़कों पर बढ़ते आवारा जानवरों और कुत्तों के आतंक पर गहरी चिंता व्यक्त की है। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि देश में केवल कुत्तों के काटने से ही नहीं, बल्कि सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों पर आवारा जानवरों का घूमना नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है।

संस्थागत क्षेत्रों को लेकर कोर्ट का रुख

अदालत ने स्पष्ट किया कि उसके पिछले आदेशों का उद्देश्य किसी नियम में हस्तक्षेप करना नहीं, बल्कि संस्थागत क्षेत्रों (Institutional Areas) को आवारा कुत्तों से मुक्त रखना है। जस्टिस नाथ ने कहा कि इलाज से परहेज बेहतर है और अदालत का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आम लोगों और बच्चों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न हो।

कपिल सिब्बल की वैज्ञानिक समाधान की दलील

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पक्ष रखते हुए कहा कि सभी कुत्तों को पकड़ना इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने पशु-मानव संघर्ष को कम करने के लिए विश्व स्तर पर स्वीकृत वैज्ञानिक फॉर्मूले CSVR (पकड़ना, नसबंदी करना, टीकाकरण करना और वापस छोड़ना) को अपनाने का सुझाव

न्यायाधीशों के साथ हुई दुर्घटनाओं का जिक्र

सुनवाई के दौरान जस्टिस संदीप मेहता ने जमीनी हकीकत बयां करते हुए बताया कि पिछले महज 20 दिनों में राजस्थान हाई कोर्ट के दो जज आवारा जानवरों के कारण दुर्घटना का शिकार हुए हैं। उन्होंने साझा किया कि इनमें से एक जज को रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई हैं और वे अब भी अस्पताल में संघर्ष कर रहे हैं। इस उदाहरण के जरिए अदालत ने यह संदेश दिया कि आवारा जानवरों की समस्या अब एक गंभीर सार्वजनिक सुरक्षा मुद्दा बन चुकी है।

नगर निकायों की कार्यप्रणाली पर सवाल

अदालत ने नगर निकायों (Civic Bodies) की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। पीठ ने कहा कि नगर निकायों को नियमों, कार्य प्रणालियों और निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा। जस्टिस नाथ ने टिप्पणी की कि सुबह के समय कौन सा कुत्ता किस मिजाज में होगा, यह कोई नहीं जानता। कोर्ट ने निर्देश दिया कि नियमों और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOPs) को लागू करने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राज्यों की लापरवाही पर नाराजगी

सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब जैसे कई राज्यों ने अब तक अनुपालन हलफनामा (Compliance Affidavit) दाखिल नहीं किया है। कोर्ट ने उन राज्यों के प्रति सख्त नाराजगी जताई जिन्होंने या तो जवाब नहीं दिया या फिर बहुत ही 'निराशाजनक' हलफनामा पेश किया। पीठ ने चेतावनी दी कि आदेशों का पालन न करने वाले राज्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल हाईवे पर सुरक्षा के उपाय

मामले में नियुक्त 'न्याय मित्र' गौरव अग्रवाल ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने एक SOP तैयार की है और लगभग 1,400 किलोमीटर सड़क को संवेदनशील क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। हालांकि, NHAI का कहना है कि इसके रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। इस पर अदालत ने सुझाव दिया कि आवारा जानवरों को राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर आने से रोकने के लिए बाड़ (Fencing) लगाने का कार्य प्राथमिकता पर किया जाना चाहिए।

चुनाव वाले राज्यों में भाजपा के शीर्ष नेताओं के होंगे रणनीतिक दौरे

- पश्चिम बंगाल में चुनाव के पहले होंगे चार बड़े नेताओं के लगभग 20 कार्यक्रम
- तमिलनाडु, केरल व असम के लिए भी तैयार हो रही रणनीति

एजेंसी । नई दिल्ली

आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा नेतृत्व ने अपनी कमर कस ली है। पार्टी ने अपने शीर्ष केंद्रीय नेताओं के दौरों को एक विशेष रणनीतिक रूप देना शुरू कर दिया है ताकि चुनाव की घोषणा से पहले ही जनता के बीच मजबूत पैठ बनाई जा सके। रणनीति के तहत पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा जैसे दिग्गज नेताओं के लगभग 20 दौरे निर्धारित किए गए हैं, जबकि तमिलनाडु, असम और केरल में करीब 10-10 दौरों की योजना है। इन दौरों को इस तरह व्यवस्थित किया गया है कि नेताओं के कार्यक्रमों के बीच निरंतरता बनी रहे और चुनावी अभियान की

पश्चिम बंगाल पर विशेष ध्यान और संगठन की सक्रियता

पार्टी का सबसे अधिक ध्यान पश्चिम बंगाल पर है, जहाँ गृह मंत्री अमित शाह खुद कमान संभाले हुए हैं। संगठन में हो रहे बदलावों के बावजूद भाजपा की चुनावी तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ा है। बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पार्टी अध्यक्ष और अन्य महासचिवों के दौरों को सरकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ सांगठनिक कार्यों से भी जोड़ा जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य चुनाव की तारीखों के एलान से पहले ही राज्य में सत्ता विरोधी लहर को तेज करना और विपक्ष के रूप में एक हमलावर छवि पेश करना है।

राज्यों के अनुसार क्षेत्रीय रणनीतियां

विभिन्न राज्यों की राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भाजपा ने अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं। असम में पार्टी का जोर क्षेत्रीय गठबंधन को मजबूत करने और सीटों के रणनीतिक बंटवारे पर है, साथ ही वह बांग्लादेश की समसामयिक घटनाओं को भी अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश कर रही है। जिन राज्यों में भाजपा विपक्ष में है, वहां वह सत्ता विरोधी माहौल को गरमाने में जुटी है। कुल मिलाकर, भाजपा का उद्देश्य अपने शीर्ष नेतृत्व के सघन दौरों और जमीनी स्तर पर रणनीतिक तालमेल के जरिए इन पांचों राज्यों में अपनी जीत की संभावनाएं सुनिश्चित करना है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत 2040 तक चांद पर अंतरिक्ष यात्री भेजेगा : इसरो पूर्व प्रमुख

अहमदाबाद। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख एएस किरण कुमार ने बुधवार को कहा कि भारत की योजना 2040 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की है। वर्तमान में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष कुमार एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 5वें सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अब से लेकर 2040 तक अंतरिक्ष गतिविधियों में कई मिशन चलाए जाने वाले हैं। 2040 तक हमारी योजना भारतीयों को चंद्रमा पर भेजने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने की है। भारत 2040 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है। इसरो के पूर्व प्रमुख ने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का निर्माण मुख्य रूप से सामाजिक लाभ के लिए शुरू किया, न कि सैन्य उद्देश्यों के लिए।

पीएमके का अंबुमणि गुट एनडीए में शामिल

चेन्नई। तमिलनाडु में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) का डॉ. अंबुमणि रामदास गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गया है। राज्य में भाजपा और एआईएडीएमके इस गठबंधन के प्रमुख दल हैं। बुधवार को रामदास ने एआईएडीएमके प्रमुख एदप्पादि के पलानीस्वामी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पलानीस्वामी ने कहा कि पट्टाली मक्कल काची गठबंधन में शामिल हो गई है। बताया कि पीएमके के लिए सीटों का बंटवारा तय कर लिया गया है, जिसकी घोषणा बाद में होगी। वहीं, रामदास ने कहा कि वह 'जनविरोधी' डीएमके को सत्ता से हटाने के लिए एनडीए में आए हैं। कहा कि एआईएडीएमके के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाने के लिए सभी सहयोगी दल मजबूती से काम करेंगे।

तेलंगाना में ब्रह्मोस के महानिदेशक की नियुक्ति रहेगी बरकरार

हैदराबाद। ब्रह्मोस के महानिदेशक (डीजी) पद पर जयतीर्थ आर. जोशी की नियुक्ति बरकरार रहेगी। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के तहत ब्रह्मोस के महानिदेशक (डीजी) पद पर जयतीर्थ आर. जोशी की नियुक्ति को रद्द करने वाले केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के आदेश पर रोक लगा दी है। जयतीर्थ आर. जोशी ने दो दिसंबर 2024 को ब्रह्मोस के महानिदेशक का पदभार संभाला था। ये है विवाद पिछले महीने हैदराबाद स्थित कैट की पीठ ने जोशी की नियुक्ति को निरस्त करते हुए रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया था कि वह वरिष्ठतम वैज्ञानिक शिवसुब्रह्मण्यम नम्बी नायडू के दावे पर पुनर्विचार करे। नायडू इस पद के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए तीन उम्मीदवारों में शामिल थे।

नेहा सिंह राठौर को सुप्रीम कोर्ट से राहत

- गिरफ्तारी पर लगाई अंतरिम रोक

एजेंसी । नई दिल्ली

लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी कानूनी राहत मिली है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की पीठ ने पहलगाम आतंकी हमले और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित पोस्ट से जुड़े मामले में उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था।

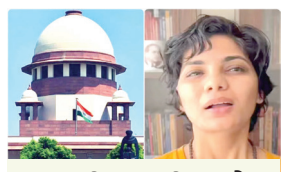

जांच में सहयोग और भविष्य की कार्यवाही

गिरफ्तारी पर रोक लगाने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नेहा सिंह राठौर को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे 19 जनवरी को पुलिस पूछताछ में शामिल हों। अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया, तो इसे बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। पुलिस 19 जनवरी को उनसे पोस्ट के पीछे की मंशा और अन्य तथ्यों पर सवाल-जवाब करेगी।

भारत दुनिया का पहला बायो-बिटुमेन उत्पादक देश बनेगा : गडकरी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के सड़क बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में क्रांतिकारी युग की शुरूआत होने जा रही है। यहां के वैज्ञानिकों ने ऐतिहासिक बायो-बिटुमेन उत्पादन करने की तकनीक उपलब्धि हासिल की है। इस प्रकार भारत दुनिया का पहला बॉयो-बिटुमेन उत्पादक देश बना जाएगा। वहीं, देश के किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि सड़कों के लिए बिटुमेनदाता भी बनेंगे। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा आयोजित टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कार्यक्रम में उपरोक्त बात कही।

अब समस्या नहीं वेल्थ बनेगी पराली

गडकरी ने कहा कि पराली अब समस्या नहीं वेल्थ बनेगी। गडकरी ने कहा कि हर साल पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में पराली जलाना एक गंभीर वायु प्रदूषण का कारण बनता है। आंकड़ों के अनुसार केवल इन दो राज्यों में पराली जलाने से 1.6 लाख टन धूल उत्सर्जित होती है। नई तकनीक के माध्यम से अब इस 600 मिलियन टन से अधिक के कृषि कचरे को सड़क निर्माण के संसाधन में बदला जाएगा। गडकरी ने कहा यह कृषि कचरे को धन (वेस्ट टू वेल्थ) में बदलने की कहानी है।

कैसे काम करती है यह तकनीक?

सीएसआईआर-सीआरआरआई व सीएसआईआर- देहरादून द्वारा विकसित यह स्वदेशी तकनीक पैरोलीसिस पर आधारित है। इसमें धान के भूसे का उपयोग कर जीरो वेस्ट मॉडल सुनिश्चित किया जाता है। बायो-ऑयल को बिटुमेन के साथ मिलाकर बायो-बिटुमेन बनाया जाता है। वहीं बायो-गैस प्लांट को चलाने के लिए ऊर्जा व बायो-चार खेतों के लिए खाद के रूप में प्रयोग किया जाता है। इस तकनीक का सफल परीक्षण पहले ही अक्तूबर 2024 में जोराहट-शिलांग खंड (100 मीटर) और नागपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे (1 किमी) पर किया जा चुका है।

वेनेजुएला में सात दिन का राष्ट्रीय शोक

एजेंसी । कराकस

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कराकस में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के दौरान हुई मौतों के बाद देश में सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह शोक उन लोगों के सम्मान में है, जिन्होंने वेनेजुएला और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाई। सरकारी टीवी से संबोधन में रोड्रिगेज ने कहा, हमारे देश में कोई युद्ध नहीं है, लेकिन हम पर हमला किया गया।

उन्होंने अमेरिका की हिरासत में रखे गए मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की वापसी की भी मांग की। रोड्रिगेज ने यह भी साफ किया कि वेनेजुएला का शासन किसी विदेशी ताकत के हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा, देश का संचालन केवल वेनेजुएला की सरकार कर रही है, कोई बाहरी एजेंट नहीं। उन्होंने यह बात ऐसे समय की है जब मादुरो को पकड़ने के लिए की गई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में कम से कम 24 वेनेजुएलाई सुरक्षा कर्मियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

ऑपरेशन सिंदूर से कांप उठा था पाकिस्तान

पाकिस्तान ने संघर्ष रुकवाने के लिए 60 बार गुहार लगाई, भारत ने भी संपर्क किया था

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका के फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट (FARA) के दस्तावेज सार्वजनिक हुए हैं। इसके मुताबिक पिछले साल अप्रैल में भारत के चलाए ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान डर गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जंग रोकने के लिए पाकिस्तान ने अमेरिका में अपने डिप्लोमैट के जरिए लॉबिंग की थी। इसके तहत अमेरिका में शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों, सांसदों, पेंटागन और विदेश विभाग के अफसरों के साथ करीब 60 बार संपर्क किया था। FARA के तहत अमेरिकी न्याय विभाग में दाखिल दस्तावेजों से पता चला है कि पाकिस्तानी राजनयिकों ने ईमेल, फोन कॉल, वन-टु-वन बैठकों के जरिए अप्रैल अंत से लेकर 4 दिन के ऑपरेशन सिंदूर के बाद तक संघर्ष विराम के लिए बैठकें जारी रखी थीं। पाकिस्तान किसी भी तरह से भारत पर अमेरिका का दबाव बनाकर युद्ध रुकवाना चाहता था।

भारतीय दूतावास ने लॉबिंग फर्म की मदद ली

अमेरिकी लॉबिंग फर्म एसएचडब्ल्यू पार्टनर्स एलएलसी के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन के साथ कई अहम मुद्दों पर भारतीय दूतावास की बातचीत में मदद की गई। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच भारतीय दूतावास के लिए काम किया। FARA में दी गई जानकारी के अनुसार 10 मई को इस फर्म ने भारतीय दूतावास की ओर से व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स, अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के रिकी गिल से संपर्क कराने में मदद की। इस दौरान भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी मीडिया कवरेज जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

भारतीय विदेश मंत्रालय बोला-हमारा रिकॉर्ड वेबसाइट पर

भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि संपर्क बढ़ाने के लिए अमेरिका में विभिन्न दूतावास, प्राइवेट कंपनियां और व्यावसायिक संगठन लॉबिंग फर्मों और कन्सलटेंट्स का सहारा लेते हैं। भारतीय दूतावास भी 1950 के बाद से ही आवश्यकता के अनुसार ऐसी फर्मों के साथ अनुबंध करता रहा है। अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस में फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत विदेशी सरकारों के साथ लॉबिंग करना कानूनी और स्थापित प्रथा है। जस्टिस विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर इसका पूरा रिकॉर्ड है कि कब-कब, किसने-किन लॉबिंग फर्मों के साथ संपर्क किया। इसे किसी प्रकार की मध्यस्थता के तौर पर देखना एकदम गलत है।

संसदीय समिति की बैठक में तीन विधेयकों पर चर्चा

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी के बाद एक महीने तक जमानत न मिलने की स्थिति में पद से हटाने से जुड़े प्रस्तावित कानून को लेकर संसदीय समिति में बुधवार को अहम सवाल उठे। समिति के कई सदस्यों ने जानना चाहा कि क्या नेता प्रतिपक्ष का पद भी इस कानून के दायरे में आएगा? भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश शासन (संशोधन) विधेयक की समीक्षा कर रही है। बैठक में विधि आयोग के अध्यक्ष दिनेश

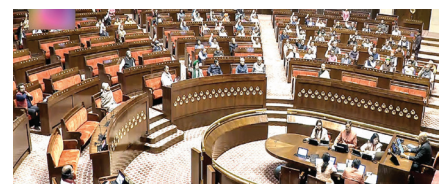

नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर पूछा सवाल

सूत्रों के मुताबिक समिति के कुछ सदस्यों ने सवाल उठाया कि यदि कोई नेता प्रतिपक्ष गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार होता है और एक महीने के भीतर जमानत नहीं ले पाता, तो क्या उसे भी पद से हटाया जा सकेगा। गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष का पद एक वैधानिक पद है। बैठक के दौरान विपक्ष के एक सदस्य ने यह मांग भी की है कि संयुक्त समिति का हिस्सा नहीं होने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं को भी इन विधेयकों पर अपनी राय रखने के लिए बुलाया जाए। हालांकि, समिति के कुछ सदस्यों ने इस सुझाव से असहमति जताई। 31 सदस्यीय इस समिति में विपक्ष से केवल एनसीपी की सुप्रिया सुले, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल और वाईएसआरसीपी के एस. निरंजन रेड्डी शामिल हैं।

बीआरएस की निलंबित एमएलसी कविता का इस्तीफा मंजूर

- सितंबर 2025 में बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था

एजेंसी । हैदराबाद

तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंदर रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की निलंबित नेता के. कविता का इस्तीफा आधिकारिक तौर पर मंजूर कर लिया है। परिषद सचिव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह इस्तीफा 6 जनवरी, 2026 से प्रभावी माना गया है। कविता वर्ष 2021 में निजामाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के लिए चुनी गई थीं। हालांकि उन्होंने पिछले वर्ष 3 सितंबर को ही अपना त्यागपत्र सौंप दिया था।

पार्टी से निलंबन और पारिवारिक विवाद

के. कविता को सितंबर 2025 में उनकी पार्टी बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था। इस निलंबन की मुख्य वजह उनके द्वारा अपने ही परिवार के सदस्यों और पार्टी नेताओं पर लगाए गए गंभीर आरोप थे। कविता ने अपने चचेरे भाइयों, टी. हरीश राव और जे. संतोष कुमार पर आरोप लगाया था।

चश्मा या जादू वैज्ञानिकों की खोज से दुनिया हैरान

पलक झपक ही बदलेगा लेंस, कैमरे से भी क्लियर दिखेगा नजारा

एजेंसी । नई दिल्ली

क्या आप भी चश्मी के घटते-बढ़ते नंबर से परेशान हैं। पास का चश्मा पहनकर दूर का सब धुंधला नजर आता है और अगर दूर का देखने वाला चश्माव का पहन लेते हैं तो पास का सब बहुत छोटा-छोटा दिखने लगता है तो चिंता की बात नहीं है, यह खबर आपके लिए ही है।

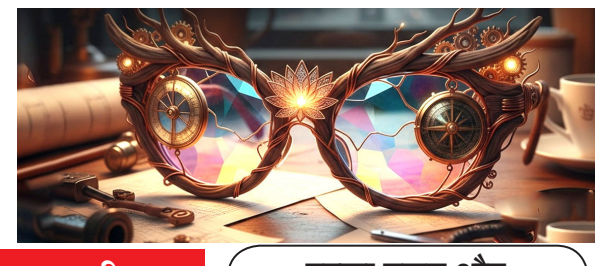

ऑटोफोकस और आई-ट्रैकिंग तकनीक

दरअसल, फिनलैंड के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा स्मार्ट चश्मा बनाया है, जो पहनने वालों की जरूरत के हिसाब से खुद-ब-खुद लेंस और फोकस बदल लेते हैं। खास बात यह है कि दिखने में बिल्कुल आम चश्मोंह की तरह ही होते हैं, लेकिन इनमें लिक्विड क्रिस्टल लेंस और आई-ट्रैकिंग सेंसर लगे हैं। जैसे ही पहनने वाला किसी चीज को देखता है, लेंस का पावर उसी पल बदल जाता है और विजन क्लियर नजर आने लगता है। इस स्मार्ट चश्मा को फिनलैंड की चश्माक बनाने वाली कंपनी आईएक्सतआई (IXI) लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी के मुताबिक, ऑटोफोकस चश्मा में लगे आई-ट्रैकिंग सेंसर आंखों की दिशा पहचानते हैं और उसी के अनुसार, लेंस की पावर तुरंत बदल जाती है। इन चश्मों को रोज चार्ज करना होता है। इन चश्मों का वजन 22 ग्राम है।

हल्का वजन और स्मार्ट फीचर्स

कंपनी का दावा है कि ऑटोफोकस चश्मा मौजूदा बाइफोकल या वैरीफोकल लेंसों से बेहतर हैं, जिनमें अक्सर समस्या बनी रहती है। बता दें कि अभी के पारंपरिक लेंस पास और दूर की दृष्टि में मदद तो करते हैं, लेकिन उनमें सीमित एरिया होता है और बार-बार सिर या आंखों की पोजिशन बदलनी पड़ती है, जबकि ऑटो-फोकस चश्मों में यह परेशानी नहीं होगी।

एडेप्टिव आईवियर क्षेत्र में नई क्रांति

IXI का कहना है कि इस तकनीक में फोटोडायोड और एलईडी का यूज किया गया है। दरअसल, फोटोडायोड्स रोशनी को इलेक्ट्रिक सिग्नल में बदलते हैं। एलईडी से निकलने वाली अदृश्य इंफ्रारेड रोशनी आंखों पर पड़ती है, जो आंखों से टकराकर वापस आती है। ऑटो फोकस चश्मा इसी रिफ्लेक्शन को मापकर यह समझ लेता है कि यूजर किस दूरी पर फोकस कर रहा है। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक एडेप्टिव आईवियर सेक्टकर में एक बड़ा कदम है, क्योंकि यह बिना किसी झंझट और उलझन के आंखों को हर दूरी का स्पष्ट और सहज देखने का अनुभव कराती है, वो भी पारंपरिक मल्टीफोकल चश्मों की कमियों के बिना।

DBD 8
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई
गुरुवार, 8 जनवरी 2026

वार्ड वार

वार्ड 190

बदले सियासी समीकरणों में फंसा मुकाबला

दोपहर संवाददाता । मुंबई

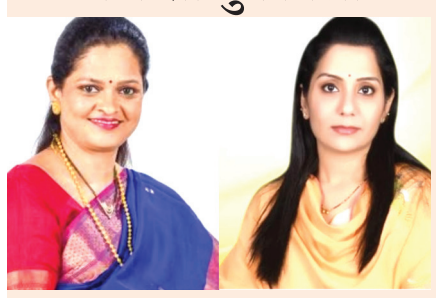

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के तहत महिम का वार्ड क्रमांक 190 (अनारक्षित) इस समय मुंबई की सबसे चर्चित सीटों में से एक बन गया है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अंतिम सूची के अनुसार, इस वार्ड से कुल 12 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के अलावा निर्दलीय उम्मीदवारों की बड़ी संख्या ने मुकाबले को बहुकोणीय बना दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उम्मीदवारों की यह भीड़ बड़े दलों के वोट बैंक में सेंध लगा सकती है।

2017 का कांटे का मुकाबला और भाजपा की जीत

वर्ष 2017 के बीएमसी चुनाव में वार्ड 190 में बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला था। उस समय भारतीय जनता पार्टी की शीतल सुरेश गंभीर ने 8,401 वोट पाकर जीत हासिल की थी। हालांकि, उनकी जीत का अंतर बहुत कम था; उन्होंने शिवसेना की वैशाली राजेश पाटणकर को महज 443 वोटों से हराया था। इस त्रिकोणीय मुकाबले में मनसे भी पीछे नहीं थी, जिससे यह स्पष्ट हो गया था कि इस वार्ड में किसी एक दल का पूर्ण वर्चस्व नहीं है। 2017 के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो भाजपा (29.48%), शिवसेना (27.92%) और मनसे (27.26%) के बीच वोटों का बंटवारा लगभग बराबर था। मनसे की उम्मीदवार भारती विरेंद्र तांडेल को 7,769 वोट मिले थे, जो शिवसेना और भाजपा के वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी थी। इसी बंटवारे का फायदा अंततः भाजपा को मिला था, लेकिन इस बार समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं और मनसे का झुकाव निर्णायक साबित होने वाला है।

प्रमुख दलों के बीच सीधा टकराव

भाजपा बनाम शिवसेना (UBT) इस वार्ड में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शीतल सुरेश गंभीर और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की वैशाली राजेश पाटणकर के बीच माना जा रहा है। 2017 के चुनाव में भी ये दोनों नेता आमने-सामने थे, जहाँ जीत का अंतर बेहद कम रहा था। इस बार कांग्रेस की ओर से यादव दयानंकर रामगोपाल और आम आदमी पार्टी (AAP) की प्रणाली गिरीश रजत भी मैदान में हैं, जो अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

स्थानीय मुद्दे

महिम का यह वार्ड अपनी राजनीतिक संवेदनशीलता के लिए जाना जाता है। यहाँ के मतदाता इस बार केवल पार्टी की विचारधारा ही नहीं, बल्कि झोपड़पट्टी पुनर्विकास (SRA), जल आपूर्ति, साफ-सफाई और खस्ताहाल सड़कों जैसे बुनियादी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उम्मीदवारों के चुनावी भाषणों में स्थानीय सुविधाओं का वादा प्रमुखता से नजर आ रहा है, क्योंकि जनता अब विकास के ठोस दावों को ही प्राथमिकता दे रही है।

क्या बोलती पब्लिक

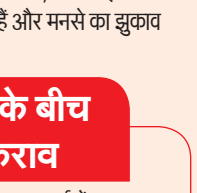

चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की सामूहिक आवाज का प्रतिबिंब हैं। यह वह अवसर है जब एक सामान्य नागरिक की उंगली पर लगी स्याही बड़े-बड़े शासकों की किस्मत का फैसला करती है। **–नितिशा पटैरिया, मीरा रोड**

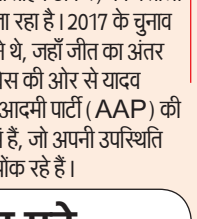

चुनाव न केवल सत्ता की जवाबदेही तय करते हैं, बल्कि जनता को जनविरोधी नीतियों को बदलने की शक्ति भी देते हैं। यह राष्ट्र की प्रगति और भविष्य की दिशा निर्धारित करने का सशक्त माध्यम है।

–गीता चौरसिया, फोर्ट

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विशेष रिपोर्ट

मायानगरी के नेताओं की चुनावी कुंडली

मोह-माया की नगरी मुंबई, जो देश की आर्थिक राजधानी होने के साथ-साथ राजनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वहां आगामी चुनावों की तैयारियां अपेक्षित गति से होती हुई दिखाई नहीं दे रही हैं। आमतौर पर चुनावों से महीनों पहले ही राजनीतिक दलों की हलचल, जनसंपर्क अभियानों की शुरुआत, रैलियों और बैठकों का दौर तेज हो जाता है, लेकिन इस बार मुंबई की सड़कों और गलियों में वह चुनावी उत्साह नजर नहीं आ रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। एक ओर जहां आम नागरिक महंगाई, रोजगार, आवास और बुनियादी सुविधाओं जैसी समस्याओं में उलझा हुआ है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक दल आंतरिक समीकरणों, गठबंधनों और रणनीतिक असमंजस में समय गंवा रहे हैं। इसका सीधा असर चुनावी तैयारियों पर पड़ता दिख रहा है। मतदाताओं से संवाद स्थापित करने की बजाय दलों की ऊर्जा बंद कमरों की बैठकों में ही सीमित रह गई है। मुंबई जैसे महानगर में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि शहरी विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही का भी पैमाना होते हैं। लेकिन जब चुनावी तैयारियां सुस्त होती हैं, तो यह लोकतंत्र की सक्रियता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। युवा मतदाता, जो सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों से जुड़े हुए हैं, उन्हें भी अभी तक कोई स्पष्ट राजनीतिक संदेश या दृष्टिकोण सुनने को नहीं मिला है। यह स्थिति प्रशासन और चुनाव आयोग के लिए भी आत्ममंथन का विषय है।

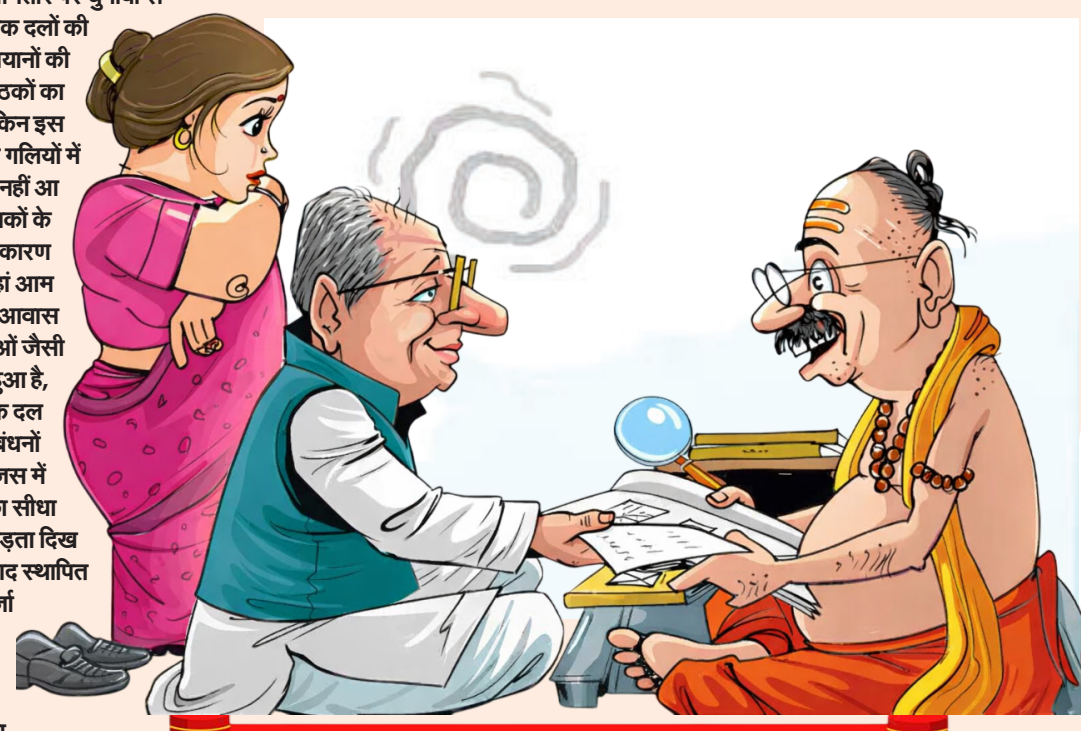

ज्योतिषी सा. ह्री चिंतनश्रीजी (नक्षत्र मंत्रविद)
मेवाड़ा समाज में जन्मे ज्योतिषी सा. ह्री चिंतनश्रीजी एक विद्वान ज्योतिषाचार्य, पत्रकार और आध्यात्मिक शोधकर्ता हैं। ज्योतिष के क्षेत्र में आपने अनेक प्रतिष्ठित उपाधियाँ प्राप्त की हैं, जिनमें ज्योतिष पुष्प, ज्योतिष पद्म, ज्योतिष विशारद, ज्योतिषी मार्तंड, ज्योतिषी पराशराम तथा सप्तऋषि परा विद्यापीठ से ज्योतिषाचार्य शामिल हैं। वर्ष 2018 में थर्ड आई स्पिरिचुअल रिसर्च फाउंडेशन से "ज्योतिष ऋषि" (गोल्ड मेडल) की उपाधि से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त भारतीय ज्योतिष संस्थान से ज्योतिषी की मान्यता भी प्राप्त है। दिनांक 31-05-2025 को आपको दूसरा सम्मान "नक्षत्र मंत्रविद" की उपाधि प्रदान की गई।

लेखिका : साध्वीजी ह्रीं चिंतन श्रीजी

सूर्य और महानगर की सत्ता

मुंबई केवल देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक और राजनीतिक शक्ति का भी प्रमुख केंद्र है। ऐसे महानगरों में सूर्य का प्रभाव मजबूत नेतृत्व के उभार, निर्णयों में कठोरता व स्पष्टता, प्रशासनिक सुधारों की घोषणाओं और सत्ता में बैठे नेताओं के सीधे जनसंपर्क के रूप में दिखाई देता है। इन्हीं संकेतों के आधार पर वर्ष 2026 में मुंबई की राजनीति में या तो नेतृत्व परिवर्तन होने अथवा मौजूदा नेतृत्व की पुनः सशक्त स्थापना की प्रबल संभावना बनती नजर आती है।

मुंबई महानगर की कुंडली : 2026 का ज्योतिषीय विश्लेषण

(स्थापना-ज्योतिष एवं गोचर आधारित अध्ययन)

ज्योतिष में किसी नगर, राज्य या राष्ट्र की भी स्थापना-कुंडली मानी जाती है। मुंबई का स्वरूप समुद्र-तट, व्यापार, श्रम, प्रशासन और सत्ता-संतुलन से जुड़ा होने के कारण इसकी कुंडली में सूर्य-शनि-चंद्र का प्रभाव विशेष रूप से सक्रिय रहता है। 2026 में सूर्य प्रधान वर्ष होने से यह प्रभाव और अधिक प्रखर हो जाता है।

सत्ता पक्ष पर सूर्य का प्रभाव

सूर्य का बल सत्ता में बैठे दलों को आत्मविश्वास और अधिकार प्रदान करता है, किंतु इसके साथ ही यह उनके अहंकार की भी परीक्षा लेता है। यदि निर्णयों में जनभावना की उपेक्षा होती है तो विरोध तेज़ हो सकता है। संकेत मिलते हैं कि सत्ता पक्ष को प्रशासनिक स्तर पर मजबूती तो प्राप्त होगी, लेकिन साथ-साथ आंतरिक मतभेद और सत्ता-संघर्ष भी उभर सकते हैं। विशेष रूप से एक ही गठबंधन में दो सूर्य-तुल्य, प्रभावशाली नेताओं की मौजूदगी टकराव और शक्ति-संतुलन की चुनौती को जन्म दे सकती है।

लग्न और सूर्य का प्रभाव (सत्ता व प्रशासन)

वर्ष 2026 के ज्योतिषीय विश्लेषण के अनुसार, मुंबई महानगर की कुंडली में सूर्य का प्रबल प्रभाव सत्ता और प्रशासन में एक बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है। इस दौरान प्रशासनिक शक्तियों का केंद्रीकरण होगा, जिससे शासन व्यवस्था में निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक तेज, स्पष्ट और कठोर होने की संभावना है। मेयर, नगर निगम आयुक्त और सत्तारूढ़ गठबंधन की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रहेगी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आगामी वर्ष 'समझौते वाली राजनीति' के बजाय 'आदेश देने वाली सत्ता' के वर्चस्व का होगा, जहाँ नेतृत्व अपनी शक्ति और निर्णयों को अधिक मजबूती से लागू करेगा।

शनि का योग : जनदबाव और जवाबदेही

मुंबई की कुंडली में शनि का योग यह दर्शाता है कि वर्ष 2026 में जन-सामान्य और श्रमिक वर्ग की भूमिका अत्यंत निर्णायक होगी, जिससे सत्ता पक्ष के लिए जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करना अनिवार्य हो जाएगा। शनि के प्रभाववश सड़क, पानी, आवास और परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ अधूरे प्रोजेक्ट्स और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनता का आक्रोश मुखर हो सकता है। यह ज्योतिषीय स्थिति संकेत देती है कि मतदाताओं के असंतोष को नजरअंदाज करना राजनीतिक दलों के लिए भारी पड़ सकता है, क्योंकि इस बार चुनावी राजनीति के केंद्र में खोखले वादे नहीं बल्कि ठोस प्रशासनिक परिणाम और जन-जवाबदेही होगी।

चंद्र प्रभाव : जनभावना और मीडिया

मुंबई की कुंडली में चंद्र का प्रभाव सक्रिय होने के कारण वर्ष 2026 में जनभावना और मीडिया की शक्ति अपने चरम पर होगी, जो चुनावी फिजा को किसी भी दिशा में मोड़ने की क्षमता रखेगी। चंद्र की यह स्थिति दर्शाती है कि जनता की भावनाएं अत्यंत संवेदनशील रहेंगी, जिससे छोटे-छोटे मुद्दे भी सोशल मीडिया और मुख्यधारा के मीडिया के माध्यम से बड़े जन-आंदोलन का रूप ले सकते हैं। इस दौरान जनमत में बहुत तेजी से बदलाव देखने को मिलेगा, जिससे स्थापित राजनीतिक समीकरण ध्वस्त हो सकते हैं और अंततः 'जनभावना की एक लहर' ही आगामी चुनावी परिणामों की मुख्य सूत्रधार बनेगी।

मंगल योग : संघर्ष और सत्ता-संघर्ष

मुंबई की कुंडली में मंगल का योग वर्ष 2026 में राजनीतिक उथल-पुथल और तीखे सत्ता-संघर्ष की ओर इशारा करता है, जहाँ आक्रामकता राजनीति के केंद्र में रहेगी। मंगल के प्रभावस्वरूप न केवल विपक्षी दलों के बीच बल्कि सत्तारूढ़ गठबंधन और राजनीतिक दलों के भीतर भी आंतरिक कलह और वर्चस्व की लड़ाई तेज होने के आसार हैं। यह ज्योतिषीय स्थिति संकेत देती है कि चुनावी अभियान काफी उग्र होगा, जिसमें सड़क पर बड़े आंदोलन, विरोध प्रदर्शन और जुझारू प्रचार देखने को मिलेगा, जिससे सत्ता की साझेदारी में भारी तनाव और राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बन सकता है।

गुरु का दृष्टि योग : सुधार और पुनर्संरचना

मुंबई की कुंडली में गुरु का दृष्टि योग वर्ष 2026 में सकारात्मक बदलाव और व्यवस्थागत परिवर्तन की एक नई किरण लेकर आएगा, जो केवल सत्ता बचाने के बजाय 'पुनर्संरचना' (Re-structuring) पर केंद्रित होगा। गुरु की शुभ दृष्टि के कारण प्रशासन में दूरगामी सुधारों की रूपरेखा तैयार होगी, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक ढांचे को आधुनिक बनाने पर विशेष बल दिया जाएगा। यह ज्योतिषीय स्थिति संकेत देती है कि इस वर्ष कई दशकों से चली आ रही पुरानी और अप्रभावी प्रणालियों का अंत होगा और उनके स्थान पर जनहितकारी नई नीतियां लागू की जाएंगी, जिससे महानगर के विकास को एक नई और अधिक संगठित दिशा मिलेगी।

राजनीतिक परिणामों के संकेत (ज्योतिषीय निष्कर्ष)

मुंबई महानगर की कुंडली और 2026 के ग्रह-योग संकेत देते हैं कि:

- सत्ता में मजबूती के साथ कठोर निर्णय
- गठबंधन राजनीति में पुनर्संतुलन
- जनता की नाराज़गी को नज़रअंदाज़ करने वालों को हानि
- एक प्रमुख नेतृत्व चेहरा उभर सकता है
- पुराने राजनीतिक समीकरण टूटने और नए बनने के योग

अंतिम निष्कर्ष

- 2026 – सूर्य वर्ष – मुंबई की राजनीति में
- सत्ता की अग्नि-परीक्षा करेगा
- नेतृत्व को कठोर निर्णय लेने पर विवश करेगा
- और जनता को निर्णायक भूमिका में लाएगा

विपक्ष और सूर्य वर्ष

सूर्य का वर्ष विपक्ष के लिए भी नए अवसर लेकर आता है, बशर्ते नेतृत्व स्पष्ट हो और वैचारिक दिशा मजबूत रहे। मुंबई की राजनीति में इस दौरान विपक्षी दलों से एक सशक्त चेहरा उभर सकता है, जो जनभावनाओं को प्रभावी स्वर देकर लोकप्रियता हासिल करे। ऐसे संकेत हैं कि मराठी अस्मिता, नगर की पहचान और नागरिक अधिकार जैसे मुद्दे एक बार फिर राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ सकते हैं।

जनता, प्रशासन और सूर्य

सूर्य वर्ष में जनता प्रशासन से अधिक जवाबदेही की अपेक्षा करती है और पारदर्शिता के साथ तेज़ व प्रभावी निर्णयों की मांग बढ़ जाती है। यदि प्रशासन इन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता, तो आंदोलन, विरोध और सामाजिक दबाव की स्थितियाँ बन सकती हैं। ऐसे समय में मीडिया और जनमत भी पहले की तुलना में अधिक मुखर और सक्रिय भूमिका निभाते दिखाई देंगे।

ग्रह योग और संभावित परिणाम

सूर्य प्रधान वर्ष में पुराने सत्ता और प्रशासनिक ढांचे टूटते हैं तथा उनकी जगह नए राजनीतिक समीकरण आकार लेते हैं। इस अवधि में नेतृत्व परिवर्तन, गठबंधन की पुनर्संरचना और सत्ता संतुलन में बदलाव के प्रबल योग बनते हैं, जो राजनीति की दिशा और दशा को नई शक्ल दे सकते हैं।

मुंबई के संदर्भ में

मुंबई की राजनीति में सत्ता के पुनर्गठन या पुनर्संतुलन के संकेत स्पष्ट दिखाई देते हैं, जहां कुछ पुराने राजनीतिक चेहरों का प्रभाव क्षीण हो सकता है, वहीं नए, तेज़ और निर्णायक नेतृत्व के उदय की संभावना प्रबल बनती है, जो प्रशासन और राजनीति दोनों को नई दिशा दे सकता है।

निष्कर्ष (ज्योतिषीय संकेत)

2026 का सूर्य वर्ष मुंबई की राजनीति में सत्ता को अधिक केंद्रीकृत करने की दिशा में अग्रसर होगा, जहां नेतृत्व की वास्तविक परीक्षा होगी और निर्णयात्मक राजनीति को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह समय जनभावनाओं की अनदेखी करने वाले नेताओं और दलों के लिए चुनौतीपूर्ण सिद्ध हो सकता है, क्योंकि जनता, मीडिया और जनमत अधिक सजग व सक्रिय भूमिका निभाते नजर आएंगे।

राशिफल

संक्षिप्त ज्योतिषीय निष्कर्ष

2026 का सूर्य वर्ष

- सिंह, धनु, मेष — सत्ता और नेतृत्व में उभार
- वृषभ — स्थिर सफलता
- कुंभ, मीन, वृश्चिक — कड़ी परीक्षा
- तुला, कन्या — रणनीति पर निर्भर परिणाम

2026 में किस राशि के नेताओं को लाभ होगा

सिंह (Leo) — सर्वाधिक लाभ

- सूर्य की स्व-राशि होने से नेतृत्व, सत्ता और निर्णय क्षमता प्रबल।
- पद, प्रतिष्ठा, चुनावी सफलता और संगठन पर पकड़।
- मुख्य चेहरा/फ्रंटलाइन लीडर बनने के योग। साहसिक और स्पष्ट निर्णय लेने वाले सिंह राशि नेता आगे बढ़ेंगे।

मेष (Aries)

- मंगल का प्रभाव : आक्रामक प्रचार, संघर्ष में विजय।
- सड़क राजनीति, आंदोलन और तेज़ फैसलों में सफलता। जो मैदान में उतरते हैं, वे आगे रहते हैं।

वृषभ (Taurus)

- शनि सहयोग : स्थिरता, प्रशासनिक पकड़।
- धैर्य और निरंतरता से सीट/पद सुरक्षित। कम बोलकर ज़्यादा काम करने वालों को लाभ।

धनु (Sagittarius)

- गुरु का समर्थन : नीति, नैतिकता और विज़न के कारण भरोसा।
- संगठन विस्तार, जनसमर्थन और गठबंधन में लाभ। विचारधारा के बल पर उभरने वाले नेता।

2026 में मिश्रित परिणाम वाली राशियाँ

कन्या (Virgo)

- रणनीति मजबूत, पर अति-विश्लेषण से अवसर चूक सकते हैं।
- पर्दे के पीछे की भूमिका में सफलता। सलाहकार/रणनीतिकार रूप में बेहतर।

तुला (Libra)

- गठबंधन से लाभ, पर निर्णय में असमंजस हानि दे सकता है।
- स्पष्ट स्टैंड जरूरी। स्पष्टता आई तो लाभ, नहीं तो नुकसान।

- 2026 में किस राशि के नेताओं को हानि/चुनौती होगी

कुंभ (Aquarius)

- शनि की कठोर परीक्षा : जनअसंतोष, विरोध।
- पुराने मॉडल काम नहीं आएँगे। परिवर्तन नहीं अपनाया तो गिरावट।

मीन (Pisces)

- भावुक निर्णय, स्पष्ट नेतृत्व का अभाव।
- संगठन में भ्रम। व्यावहारिकता लानी होगी।

कर्क (Cancer)

- चंद्र प्रभाव : भावनात्मक उतार-चढ़ाव।
- मीडिया/जनमत से जल्दी प्रभावित। स्थिरता न रही तो नुकसान।

मिथुन (Gemini)

- वाणी से लाभ भी, विवाद भी।
- बयानबाज़ी से छवि पर असर। अनुशासन जरूरी।

वृश्चिक (Scorpio)

- गुप्त राजनीति उजागर होने का योग।
- शक्ति संघर्ष में नुकसान। पारदर्शिता न रखी तो गिरावट।